केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क- bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 274 रविवार 28 अप्रैल 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

मोबाइल की दुकान में लगी आग लाखों का सामान जल कर राख

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बनकटी (बस्ती)। लालगंज थाना क्षेत्र के महादेवा चौराहे पर शुक्रवार की देर रात शार्ट सर्किट से आग लग जाने से मोबाइल की दुकान जल कर राख हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार धौरूखोर निवासी सनोज चौधरी पुत्र लालचंद चौधरी की मोबाइल की दुकान महादेवा चौराहे पर है। रोज की तरह सनोज चौधरी शुक्रवार रात्रि 8 बजे दुकान बंद करके अपने घर चले गए शनिवार सुबह 4.30 बजे पड़ोसी चंदन ने फोन कर बताया कि सनोज तुम्हारी दुकान मे आग लगा है। धुआ निकल रहा है। सनोज अफरा तफरी में आकर दुकान का ताला खोला तो देखा दुकान जलकर राख हो गया है। दुकानदार सनोज के मुताबिक दुकान में 60 मोबाइल 50 चार्जर 35 बैटरी एक कूलर जलकर राख हो गया। दुकानदार का कहना है कि दुकान में एक लाख का सामान था। महादेवा चौकी इंचार्ज अवनीश सिंह लेखपाल रविचंद्र श्रीवास्तव ने मौके पर पहुंचकर नुकसान का जायजा लिया।

दुर्घटना में साईकिल सवार की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
विक्रमजोत (बस्ती)। छावनी थाना क्षेत्र के पटकापुर चौराहे के समीप शुक्रवार की देर रात 10.30 बजे एक साइकिल सवार को अज्ञात वाहन ने चपेट में ले लिया जिससे घायल अधेड़ की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटनास्थल के आसपास हाइवे किनारे घरों के लोगो ने इसकी जानकारी तुरंत पुलिस को दिया। मौके पर पहुंचे चौकी इंचार्ज रितेश कुमार सिंह ने शव व क्षतिग्रस्त सायकिल को कब्जे में ले लिया। सायकिल सवार मृतक के पास मिले उस्तरे व अन्य सामाग्री से पुलिस देर रात तक शव की पहचान नहीं कर सकी थी। सुबह सोशल मीडिया पर पुलिस द्वारा डाली गयी फोटो देख चौकी पर पहुंचे परिजनों ने शव की पहचान 48 वर्षीय श्यामलाल उर्फ टीटू पुत्र स्वर्गीय राजबहादुर निवासी सौरी के रूप में किया।

मिली जानकारी के अनुसार मृतक श्यामलाल उर्फ टीटू अक्सर सायकिल से अयोध्या मंदिर में दर्शन करने आते जाते थे। शुक्रवार की देर रात अयोध्या से साइकिल से अपने गांव सौरी लौट रहे थे कि पटखापुर चौराहे के समीप पीछे से आये किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से घायल होकर सड़क पर गिर गये। मौके पर ही दम तोड़ दिया। मृतक श्यामलाल के बड़े भाई सुरेन्द्र कुमार ने बताया कि इनके दो लड़के पत्नी है,बड़ा लड़का दुबई में काम करता है।

मई, जून में 7 बजे से 1 बजेंगे तक होंगे राजस्व, चकबंदी न्यायालय में कार्य

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। जिला मजिस्ट्रेट अंद्रा वामसी ने बताया है कि जनपद के समस्त राजस्व/चकबन्दी न्यायालयों का कार्य आगामी माह मई व जून 2024 में प्रातः 7 बजे से अपरान्ह 1 बजे तक संचालित किया जायेगा। न्यायालयों के समस्त अधिकारी व कर्मचारीगण प्रातः 6.30 बजे से अपरान्ह 1.30 बजे तक उपस्थित रहेंगे तथा जनपद में कार्यालयों के खुलने व बन्द होने की समय पूर्व की भॉति प्रातः 10 बजे से सायंकाल 5 बजे तक यथावत् रहेगा।

भाजपा सत्ता में आयी तो संविधान बदल देगी- प्रियंका

बलसाड़ (आभा)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोलते हुए कहा कि उन्होंने कई प्रधानमंत्री देखे लेकिन वे लोगों के सामने झूठ नहीं बोलते थे। उन्होंने दावा किया कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का शीर्ष नेतृत्व भले ही अभी इस बात से इनकार करने का दिखावा कर रहा हो, लेकिन अगर पार्टी सत्ता में वापस आई तो वह संविधान बदल देगी और लोगों को उनके अधिकारों से वंचित कर देगी। इस दौरान उन्होंने अपने पिता व दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का भी जिक्र किया।

शनिवार को पीएम मोदी के गृह राज्य गुजरात के वलसाड के धरमपुर गांव में एक रैली को संबोधित करते हुए, प्रियंका गांधी ने कहा कि वे

अपने पिता को टुकड़ों में लाई थीं। उन्होंने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा, मैंने कई प्रधानमंत्री देखे हैं। मैं ये नहीं कह रही हूं कि वे सिर्फ मेरे परिवार के सदस्य थे। हां, इंदिरा जी थीं, मर गईं देश के लिए। शहीद हो गईं देश के लिए। हां राजीव जी थे, टुकड़ों में घर लाई मैं उनको। शहीद हो गए इस देश के लिए। मनमोहन सिंह जी भी थे जो क्रांति लाए इस देश में... कांग्रेस पार्टी को न देखें तो (अटल बिहारी) वाजपेयी जी भी थे जो सभ्य इंसान थे कम से कम। मैं दावे के साथ कह सकती हूं कि ये देश का पहला प्रधानमंत्री होगा जो आपके सामने इस तरह से झूठ बोलता है।

21 मई, 1991 को तमिलनाडु के श्रीपेरंबुदूर में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की एक चुनावी रैली के दौरान हत्या कर दी गई थी। आत्मघाती हमलावर ने खुद को भीड़ में उड़ा लिया था। इस हमले में 14 अन्य लोग भी मारे गए थे। लिट्टन उग्रवादी संगठन लिट्टन टाइगर्स ने इस हत्याकांड की जिम्मेदारी ली थी। उनका दावा था कि राजीव गांधी ने 1987 में श्रीलंका में तमिल विद्रोहियों के खिलाफ भारतीय सेना द्वारा किए गए सैन्य अभियान का समर्थन किया था।

प्रियंका ने आदिवासी बहुल वलसाड जिले के धरमपुर गांव में एसटी (अनुसूचित जनजाति)–सुरक्षित वलसाड लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार अनंत पटेल के समर्थन में आयोजित एक रैली में कहा, "भाजपा नेता और उम्मीदवार कह रहे हैं कि वे संविधान बदल देंगे लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इससे इनकार कर रहे हैं। यह उनकी रणनीति है।" कांग्रेस नेता ने कहा, "शुरुआत में वे उससे हमेशा इनकार करेंगे जो वे करना चाहते हैं लेकिन सत्ता में आने के बाद वे इसे लागू करेंगे।

जौनपुर से बरेली जेल भेजे गये पूर्व सांसद धनंजय सिंह

जौनपुर (आभा)। पूर्वांचल के बाहुबली पूर्व सांसद धनंजय सिंह की जेल बदली गई है। उन्हें जौनपुर से बरेली जेल शिफ्ट किया गया है। धनंजय को एंबुलेंस से जौनपुर से बरेली जेल ले जाया गया। पूर्व सांसद की अचानक जेल बदली क्यों की गई? इस बारे में कुछ अधिकारियों का कहना है कि चूंकि उनकी पत्नी जौनपुर से चुनाव लड़ रही हैं, ऐसे में उनके जौनपुर जेल में रहने से चुनाव प्रभावित होने की आशंका नहीं रहे इसलिए एहतियातन यह कदम उठाया गया है। अधिकारिक तौर पर प्रशासन ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

वहीं शनिवार को पूर्व सांसद धनंजय सिंह को हाईकोर्ट से भी झटका लगा। नमामि गंगे प्रोजेक्ट मैनेजर के अपहरण मामले में जौनपुर की स्पेशल कोर्ट एमपी, एमएलए से मिली सात साल की सजा को स्थगित करने से हाईकोर्ट ने इनकार कर दिया है। हालांकि इस मामले में जमानत पर रिहा करने की पूर्व सांसद धनंजय सिंह की अर्जी हाईकोर्ट ने मंजूर कर ली।

पूर्व सांसद ने जौनपुर की विशेष अदालत से मिली सात साल की सजा के खिलाफ पिछले महीने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इस याचिका में उन्होंने सजा पर रोक लगाने और फैसला आने तक जमानत पर रिहा करने की गुहार लगाई थी। धनंजय की याचिका पर 25 अप्रैल को सुनवाई पूरी हो गई थी। अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित कर लिया था। धनंजय समर्थकों का मानना था यदि इलाहाबाद हाईकोर्ट से सजा पर रोक लग जाती तो वह चुनाव लड़ सकते थे। बता दें कि जौनपुर लोकसभा सीट पर छठवें चरण में 25 मई को मतदान होगा।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी चोटिल

कोलकाता (आभा)। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान के दूसरे दिन ही पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एक बार फिर चोटिल हो गई। दुर्गापुर में हेलीकॉप्टर पर चढ़ते वक्त उनका पैर फिसल गया। उन्हें फिलहाल आसनसोल ले जाया गया है। इस घटना से जुड़ी एक वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि हेलीकॉप्टर में चढ़ते वक्त उनका पैर फिसल गया और वह गिर गईं। वहां मौजूद सुरक्षाकर्मी उन्हें उठाने के लिए भागे। गिरने के कारण ममता को मामूली चोटें आई है।

सुनीता केजरीवाल ने किया रोड शो

नई दिल्ली (आभा)। लोकसभा चुनाव को लेकर राजनेता प्रचार के लिए मैदान में उतरे हुए हैं। दिल्ली में भी प्रचार जोरों पर है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने पूर्वी दिल्ली में मेगा रोड शो निकाला। जिसके बाद उनकी राजनीति में एंट्री हो गई है। यह उनका पहला रोड शो है।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने पूर्वी दिल्ली से आप के लोकसभा उम्मीदवार कुलदीप कुमार के समर्थन में कोंडली इलाके में रोड शो किया। मिली जानकारी के मुताबिक, कोंडली इलाके में रोड शो से पहले आई लव केजरीवाल और जेल का जवाब वोट से के पोस्टर लगाए गए हैं।

राहुल गांधी, प्रियंका गांधी अमेठी और रायबरेली से हो सकते हैं उम्मीदवार

नई दिल्ली (आभा)। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी अमेठी और रायबरेली से उम्मीदवार बनेंगे या किसी और चेहरे पर पार्टी दांव लगाएगी? कांग्रेस के सामने अब यह सबसे बड़ा सवाल है। सोनिया गांधी इस बार लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगी और राहुल गांधी पिछली बार अमेठी से हार गए थे। इस वजह से इन दोनों सीटों की चर्चा ज्यादा है। इसी मुद्दे पर इस हफ्ते के खबरों के खिलाड़ी में चर्चा हुई। चर्चा के लिए वरिष्ठ पत्रकार रामकृपाल सिंह, विनोद अग्निहोत्री, अवधेश कुमार, पूर्णिमा त्रिपाठी, अनुराग वर्मा, राखी बख्शी और कात्यायनी चतुर्वेदी मौजूद रहीं।

राजनीतिक गतिविधियों के लिये होटल, धर्मशाला, मैरेज लान वालों को देनी होगी जानकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। लोकसभा सामान्य निर्वाचन–2024 को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सकुशल सम्पन्न कराने हेतु समस्त होटल, धर्मशाला, मैरिज लान, रेस्टोरेण्ट आदि के मालिको/प्रबन्धको के साथ आदर्श आचार संहिता, निर्वाचन व्यय आदि के संबंध में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक सम्पन्न हुआ। बैठक की अध्यक्षता करते हुए एडीएम/उप जिला निर्वाचन अधिकारी कमलेश चन्द्र ने निर्देश दिया कि किसी भी प्रकार की राजनैतिक गतिविधि आयोजित होती है, तो इसकी सूचना कलेक्ट्रेट स्थित कंट्रोल रूम को अवश्य सूचित करें। कंट्रोल रूम का फोन नम्बर–9452456735 है। उन्होने यह भी निर्देश दिया है कि किसी भी प्रकार की बुकिंग का साक्ष्य अपने पास अवश्य रखें तथा बिना आईडी कार्ड के किसी भी परियोजन हेतु बुकिंग ना किया जाय। बैठक में मुख्य कोषाधिकारी अशोक कुमार प्रजापति, सहायक निर्वाचन अधिकारी सुभाष कुमार तथा होटल, धर्मशाला, मैरिज लान, रेस्टोरेण्ट के मालिकगण उपस्थित रहें।

जमीनी विवाद में बेटी को पीटा, दलित विधवा मां ने एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र की परसा तकिया निवासिनी दलित विधवा सावित्री देवी पत्नी स्वर्गीय रामबेलास ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर न्याय की गुहार लगाया है। पत्र में सावित्री देवी ने कहा है कि जमीनी विवाद को लेकर गांव के ही अरूण पुत्र महेश, उसके रिश्तेदार बिट्टू उर्फ भोलू ने गत 24 अप्रैल को उसकी बेटी को घर में घुसकर मारा पीटा और गलत आशय से कपड़ा फाड़ दिया। उसके लड़की की आंख में चोट लगी, आंख से खून बहने लगा। घटना की लिखित सूचना पुरानी बस्ती थानाध्यक्ष और एसपी को दिया गया, इससे नाराज होकर अरूण पुत्र महेश, उसके रिश्तेदार बिट्टू उर्फ भोलू मीरा पत्नी महेश, रूबी पत्नी परवेश, आदित्य पुत्र परवेश, रूखी पुत्री महेश, प्रिया पुत्री महेश ने 26 अप्रैल को पुनः घर में घुसकर मारा पीटा और जान से मारने की धमकी दी। उसकी बेटी का सिर फूट गया। गंभीर स्थिति में उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, यहां से उसे लखनऊ मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया। उक्त लोगों ने घर में तोड़फोड कर काफी नुकसान कर दिया।

एसपी को दिये पत्र में दलित विधवा सावित्री देवी ने अपने परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाते हुये दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कराते हुये कड़ी कार्रवाई की मांग किया है।

स्वामी विवेकानन्द कालेज ऑफ फार्मेसी के 4 छात्रों का चयन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। स्वामी विवेकानन्द कालेज ऑफ फार्मेसी रिठिया महरीपुर में आयोजित पूल कैम्पस प्लेसमेंट के आयोजन में बैचलर ऑफ फार्मेसी के 4 छात्रों सूर्यान्श सिंह, गरिमा सिंह, शिवम अग्रहरि, शनि कुमार और डिप्लोमा इन फार्मेसी के छात्र राजकुमार का चयन मकलिओयड फर्मास्यूटिकल कम्पनी में क्वालिटी कन्ट्रोल डिपार्टमेन्ट में हुआ है।

स्वामी विवेकानन्द कालेज ऑफ फार्मेसी के संस्थापक सत्य प्रकाश सिंह ने 4 छात्रों के चयन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुये कहा है कि निश्चित रूप से यह बड़ी उपलब्धि है। कहा कि छात्र कालेज का मान बढाये। आने वाले दिनों में और छात्रों के चयन का प्रयास किया जायेगा।

प्रगति के लिये जीवन में अनुशासन आवश्यक-सुनीता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती,महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बस्ती में आज समाजशास्त्र विभाग एवं प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष की कक्षाओं की छात्राओं का विदाई समारोह का आयोजन किया गया।

महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. सुनीता तिवारी ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया, तत्पश्चात् छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना व स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया,

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्राचार्या प्रो सुनीता तिवारी ने कहा कि जीवन में प्रगति के लिए अनुशासन महत्वपूर्ण है,महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा देने का महाविद्यालय का निरंतर प्रयास है, भारतीय संस्कृति के परिवेश में शैक्षिक संवर्धन हमारी पहली प्राथमिकता है, जिससे छात्राओं के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास हो सके,

कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन प्रख्यात समाज शास्त्री डॉ0 रघुवर पाण्डेय द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 वीना सिंह एवं डॉ0 सुधा त्रिपाठी द्वारा किया गया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ0 वीना सिंह रहीं।

कार्यक्रम को डॉ0 सीमा सिंह डॉ0 नूतन यादव, डॉ0 सुधा त्रिपाठी, डॉ0 स्मिता सिंह, डॉ0 सुहासिनी सिंह, डॉ0 रूचि श्रीवास्तव, डॉ0 संतोष यदुवंशी, डॉ कमलेश पाण्डेय ने सम्बोधित करते हुए छात्राओं को आशिर्वाद दिया एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से डा प्रियंका मिश्रा,श्रीमती नेहा श्रीवास्तव, श्री दुर्गेश गुप्ता, श्री अरुणमणि त्रिपाठी एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी संघ जिला अध्यक्ष सूर्या उपाध्याय आदि उपस्थित रहें।

दूसरे चरण में कम मतदान ने उलझा दिया जीत हार का सियासी समीकरण

लखनऊ (आभा)। दिनभर खामोशी के बाद आखिरी घंटे में मतदाताओं ने मौन व्रत तोड़कर दूसरे चरण के चुनाव को दिलचस्प और कांटे का बना दिया। पहले चरण के मतदान में दस फीसदी तक जबकि दूसरे चरण में आठ फीसदी तक गिरावट महसूस की गई। इसी ने पश्चिम का गणित उलझा दिया है और राजनीतिक दल "कई राजनीति" को साथ लेकर चलने वाले वेस्ट यूपी की हवा को भांप नहीं पाए।

दूसरे चरण में शुक्रवार को प्रदेश की आठ सीटों पर मतदान हुआ। इसमें मेरठ, बुलंदशहर, बागपत, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, अमरोहा, मथुरा और अलीगढ़ की सीटें शामिल हैं। 2019 में अमरोहा की सीट को छोड़कर शेष सभी सीटें भाजपा ने जीती थीं। भाजपा को इस चरण में सीट बरकरार रखने की चुनौती थी। वहीं, सपा–कांग्रेस गठबंधन के सामने कुछ कर दिखाने की परीक्षा।

11–12 प्रतिशत मतदान का शुभारंभ हुआ। ठीक पहले चरण की तरह। शहर की अपेक्षाकृत गांवों में तेजी दिखी। 9 से 11 बजे के बीच मतदान ने रफ्तार पकड़ी लेकिन 12 बजे से तीन बजे के बीच मतदान ढीला पड़ गया। कम मतदान से राजनीतिक दल गणित निकाल ही

रहे थे कि आखिरी के एक घंटे ने मतदान का परिदृश्य ही बदल दिया। यहीं से मुकाबला दिलचस्प और कांटे का हो गया।

बागपत लोकसभा की सीट मतदान में हमेशा आगे रहती थी। लेकिन इस बार बूथ खाली पड़े थे। छपरौली जैसी विधानसभा सीट पर मतदाताओं की कतार नहीं थी। यही हाल बड़ौत और बागपत में भी देखने को मिला। बुलंदशहर लोकसभा क्षेत्र में यही हाल था। वहां भी बूथों पर पुराना उत्साह देखने को नहीं मिला।

मेरठ–हापुड़ लोकसभा क्षेत्र में शाम तक मुसलिम क्षेत्रों में मतदान का प्रतिशत काफी गिरा हुआ था। इससे भाजपा अपने को सुरक्षित समझने लगी लेकिन मतदान के आखिरी घंटे में मुसलिम मतदाताओं ने मतदान करके सीट को उलझा दिया। मेरठ से रामायण धारावाहिक के राम यानी अरुण गोविल भाजपा प्रत्याशी हैं।

पहले और दूसरे चरण में तीन बड़े मुद्दे थे–दलितमुसलिम समीकरण, मुसलिम मत किस ओर जाएंगे और दोनों गठबंधन (एनडीए और इंडिया) क्या हवा बनाएंगे। भाजपा के साथ दोस्ती करने के बाद रालोद की बड़ी परीक्षा बिजनौर और बागपत में है। भाजपा के सामने 2019 में खोयी चार सीटों (अमरोहा, नगीना, सहारनपुर, बिजनौर) को पाने की चुनौती थी। सियासी हलकों की मानें तो मतदान के बाद भी चुनौती बनी हुई है।

पहला चरण (सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, कैराना, बिजनौर, नगीना) कई उतार–चढ़ाव वाला रहा। क्षत्रियों के विरोध का कितना किसको नुकसान हुआ, इसका गणित अभी भी लगाया जा रहा है। किसान राजनीति से लेकर टिकट बदलने का दौर भी इसी चरण में चला। दोनों चरण निबटने के बाद भी पहला चरण फंसा हुआ माना जा रहा है। पक्ष–विपक्ष दोनों ही इस पर अपना दावा ठोक रहा है।

पहले चरण से इतर दूसरे चरण में कोई मुद्दा नहीं था। मुद्दा था तो बस यह कि रालोद की चौधराहट क्या बागपत में लौटेगी? क्या पर्दे के राम को मेरठ में सफलता मिलेगी ? दूसरे चरण में अधिकांश दलों ने नये चेहरों पर दांव खेला। बसपा ने भी सोशल इंजीनियरिंग के सहारे चुनाव लड़ा। फिलहाल, दोनों चरणों में मतदाताओं ने फैसला सुना दिया है। पश्चिम की हवा को भांपने में राजनीतिक दल परेशान दिखे। इसका एक कारण यह भी रहा कि इस बार जातीय और क्षेत्रीय मुद्दे हावी थे। फिलहाल, पुराना ध्रुवीकरण नहीं दिखा।

कार्यशाला में दिया पेड न्यूज के बारे में जानकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर लोकसभा सामान्य निर्वाचन–2024 में आदर्श आचार संहिता, विज्ञापन, पेड न्यूज के संबंध में मीडिया कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें इस संबंध में आयोग के निर्देशों से प्रेस प्रतिनिधियों को अवगत कराते हुए उनसे सहयोग की अपील की गयी। इस अवसर पर एडीएम/उप जिला निर्वाचन अधिकारी कमलेश चन्द्र ने कहा कि जाति, धर्म या भाषा के मतभेदों को बढाने वाले समाचार प्रकाशित ना किये जाये। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए उन्होने कहा कि व्यक्तिगत आक्षेप की खबरें प्रकाशित करने से बचें। उन्होने कहा कि जाति या सम्प्रदाय की भावनाओं के आधार पर कोई अपील प्रकाशित नही की जाये। निर्वाचन के दौरान पूजा के स्थलों को प्रचार हेतु प्रयोग नही किया जायेगा।

उन्होने पेड न्यूज के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि ऐसी विश्लेषणात्मक खबर जिसमें एक प्रत्याशी को अन्य प्रत्याशियों की तुलना में जीतता या बढत बनाने का समाचार प्रकाशित ना किये जाय। भारतीय प्रेस परिषद द्वारा पेड न्यूज को इस प्रकार परिभाषित किया गया है कि

कोई भी खबर या विश्लेषण जो नकद या अन्य किसी रूप में प्रतिफल के लिए प्रकाशित किया गया हों, उसे पेड न्यूज माना जायेगा। इस परिभाषा को निर्वाचन आयोग द्वारा स्वीकार करते हुए समाचारों की निरीक्षा करने का निर्देश दिया गया है।

उन्होने कहा कि इेलक्ट्रानिक मीडिया द्वारा पूरी चुनाव प्रक्रिया के दौरान कोई भी विज्ञापन चैनल पर प्रसारित करने से पूर्व जिला निर्वाचन अधिकारी से अनुमति ली जायेगी। यूट्यूब, फेसबुक, ट्विटर, इंस्ट्राग्राम, बल्क मैसेज, वायस मैसेज एवं अन्य सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाले राजनैतिक विज्ञापनों के संबंध में भी यह नियम लागू होगा। उन्होने कहा कि मतदान के दिन मतदेय स्थल के भीतर फोटो लेना या वीडियो बनाने की अनुमति नही होगी।

मुख्य कोषाधिकारी अशोक कुमार प्रजापति ने कहा कि प्रिंटिंग प्रेस के संबंध में लागू होने वाले निर्देश प्रिन्ट मीडिया पर भी लागू होंगे तथा इसके उल्लघंन पाये जाने पर आर्थिक दण्ड लगाया जायेगा। उन्होने कहा कि मतदान के दिन तथा मतदान के एक दिन पूर्व अर्थात 25 एवं 24 मई के अंक में प्रकाशित किये जाने वाले विज्ञापन के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी की अनुमति अनिवार्य है। विज्ञापन प्रकाशन हेतु प्रत्याशी की अनुमति पत्र लगाना अनिवार्य होंगा। अनुमति के लिए प्रकाशन से 48 घण्टे पूर्व आवेदन करना होंगा। उन्होने कहा कि अन्य दिनों में प्रकाशित विज्ञापन को डीएवीपी के दर से भुगतान प्रत्याशी के व्यय में जोड़ा जायेंगा। कार्यशाला का संचालन सहायक निदेशक, सूचना प्रभाकर तिवारी ने किया। इसमें उप जिला मजिस्ट्रेट आर.के. चौधरी, अपर जिला सूचनाधिकारी हितेन्द्र कुमार, सहायक निर्वाचन अधिकारी सुभाष कुमार, ई–डिस्ट्रिक मैनेजर सौरभ द्विवेदी एवं मीडिया के लोग उपस्थित रहें।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 28 अप्रैल 2024 रविवार

सम्पादकीय

चुनाव में हिन्दू—मुसलमान

लोकसभा के लिये दो चरण का मतदान पूरा हो चुका है और तीसरे चरण की तैयारी है। इस बीच राजनीतिक दलों के नेता तरह—तरह के मुद्दे उठा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 अप्रैल को अलीगढ़ में एक रैली में मुस्लिम महिलाओं और अल्पसंख्यक समूह के भीतर हाशिए पर रहने वाले समुदायों का समर्थन करने के अपने प्रयासों पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने मुसलमानों के जीवन में महत्वपूर्ण सुधार किए बिना कुछ समूहों का पक्ष लेने की उनकी नीति के लिए कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की आलोचना की। मोदी ने मुस्लिम महिलाओं के कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए तत्काल 3 तलाक के खिलाफ कानून पारित करने में अपनी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के साथ अपनी दोस्ती का भी जिक्र किया, जिससे मुस्लिम महिलाओं को पुरुष साथी के बिना हज यात्रा पर जाने के अधिक अवसर मिले हैं।

मोदी ने कांग्रेस पर नागरिकों की संपत्ति जब्त करने का इरादा रखने का आरोप लगाया, उनकी विचारधारा की तुलना माओवादी और कम्युनिस्ट मान्यताओं से की। उन्होंने धन पुनर्वितरण की कथित कम्युनिस्ट धारणा के खिलाफ चेतावनी दी और सुझाव दिया कि इससे आर्थिक गिरावट आएगी। उन्होंने अपने शासन में सुरक्षित माहौल पर जोर देते हुए बम विस्फोट जैसी घटनाओं को कम करने के लिए खुद को और योगी आदित्यनाथ को श्रेय दिया। ये बयान अत्यधिक आरोपपूर्ण हैं और भारत में मुसलमानों के प्रति भाजपा के दृष्टिकोण के एक अलग दृष्टिकोण को प्रकट करते हैं। जहां मोदी ने कांग्रेस पर मुसलमानों के प्रति पक्षपात दिखाने और कुछ समूहों के बीच धन के पुनर्ध्वतरण की योजना बनाने का आरोप लगाया, वहीं उन्होंने मुस्लिम महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए अपनी सरकार के प्रयासों पर भी जोर दिया। एक महत्वपूर्ण कदम में, उसी दिन, नईमा खातून को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की उप कुलपति नियुक्त किया गया, जो 123 वर्षों में यह पद संभालने वाली पहली महिला थीं। चुनाव नियमों के कारण चुनाव आयोग से अनुमोदन की आवश्यकता के बावजूद, उनकी नियुक्ति पर व्यापक ध्यान गया।

ये घटनाएं भारत में भाजपा और मुस्लिम समुदाय के बीच जटिल संबंधों को उजागर करती हैं, जिसमें राजनीतिक बयानों और नियुक्तियों से अलग—अलग दृष्टिकोण सामने आते हैं। दिलचस्प बात यह है कि भाजपा को उस समय झटका लगा जब उसके एकमात्र मुस्लिम सांसद चौधरी महबूब अली कैसर पार्टी छोड़कर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) में शामिल हो गए। मोदी ऐसे बयानों और कार्यों का सहारा क्यों ले रहे हैं जो उनकी पार्टी के रुख में असंगति को उजागर करते हैं? ये मिश्रित संकेत मतदाताओं की धारणाओं को प्रभावित करने और उनकी पार्टी के लिए समर्थन जुटाने के अनाड़ी प्रयास हो सकते हैं, जो इस बात को लेकर कुछ बेचैनी का संकेत देते हैं कि पार्टी कितना अच्छा प्रदर्शन कर रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने लंबे समय से भारत को एक प्रमुख आर्थिक खिलाड़ी के रूप में प्रचारित किया है, जिससे वैश्विक स्तर पर उनकी छवि और उनकी सरकार की विश्वसनीयता बढ़ी है। हालांकि, डाटा हेरफेर, आय असमानता, बेरोजगारी और धीमे व्यापार निवेश के बारे में चिंताएं इस पर संदेह पैदा करती हैं। आलोचकों ने इस बात पर प्रकाश डाला है कि मोदी के आर्थिक वादों में स्थायी विकास के लिए आवश्यक सुधारों का अभाव है, अन्य एशियाई सफलता की कहानियों के विपरीत जो प्रगति के लिए व्यापार, उद्योग और सामाजिक नीतियों को संतुलित करती हैं।

वास्तव में, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आई.एम.एफ.) ने इस महीने की शुरुआत में स्पष्ट किया था कि आई.एम.एफ. में भारत के प्रतिनिधि कृष्णमूर्ति सुब्रमण्यन द्वारा किए गए हालिया विकास अनुमान फंड के विचारों को प्रतिबिंबित नहीं किया। सुब्रमण्यन ने हालिया नीतियों और सुधारों के आधार पर 2047 तक भारत के लिए 8 प्रतिशत विकास दर का सुझाव दिया था। हालांकि, आई.एम.एफ. के प्रवक्ता ने जोर देकर कहा कि फंड देश के लिए 6.5 प्रतिशत का अनुमान रखता है। पूर्व भारतीय प्रधानमंत्री वी.पी. सिंह ने एक बार कहा था, ''मेरे लिए राजनीति 100 मीटर की दौड़ नहीं है। यह एक मैराथन दौड़ है।'' उन्होंने राजनीति में सफल होने के लिए निश्चितता और निरंतर प्रगति के महत्व पर जोर दिया।

सिंह को उनकी चतुराई के लिए जाना जाता था, खासकर 80 के दशक के दौरान जब उन्होंने मंडल मंत्र के साथ राजनीति को कहरपंथी बना दिया था। अपने एकबारगी आक्रामक मूड में उन्होंने कहा, ''अगर वी.पी. सिंह शैतान हैं तो उन्हें फांसी पर लटका दो। लेकिन देश को फांसी मत दो।'' वे साहसी शब्द थे। किसने, कब और किस उद्देश्य से फांसी दी, यह भारत की राजनीतिक कहानी का हिस्सा है। दया की बात है कि देश वर्षों से छोटे राजनेताओं के हमलों से बचा हुआ है।

हिंदी पट्टी में कई मिनी—वी.पी. सिंह ने अपने कार्यों की गंभीरता को समझे बिना वही खेल खेला है। परिणामस्वरूप, राष्ट्र सिद्धांतहीन राजनेताओं के चंगुल में फंसा हुआ है। आज भारतीय नेता वैचारिक प्रतिबद्धताओं के लिए नहीं जाने जाते। वे मुख्यतः अवसरवादी लोग हैं। फिर भी वे शहीद बनने की कोशिश करते हैं। भारतीय राजनीतिक परिदृश्य के समझदार पर्यवेक्षक आम तौर पर ऐसे शहीदों को संदेह की नजर से देखते हैं, खासकर वे जो 'शहादत के बाद भी जीवित रहते हैं।' शहादत हो या न हो, हमारे पास ऐसे मिनी—वी.पी. के बारे में चिंतित होने का कारण होना चाहिए। सिंह जो शायद ही अपने लोकलुभावन रुख के निहितार्थ को समझते हैं। वैसे भी, राजनीति सत्ताधारियों और वोट—बैंक कार्ड खेलने वालों की बुद्धिमत्ता की प्रेरक शक्ति है। हमारे सामने असली चुनौती यह है कि अल्पसंख्यकों के मुद्दे को कैसे राजनीतिकरण से मुक्त और तर्कसंगत बनाया जाए ताकि यह कमजोर वर्गों की वैध आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा कर सके, जिन्हें सामाजिक—आध्यक संीढ़ी पर आगे बढ़ने के लिए विशेष सहायता की आवश्यकता है। 'हरिजन आय से, जाति से नहीं।' पंजाब के मुख्यमंत्री के रूप में सरदार प्रताप सिंह कैरों ने एक बार यह सुझाव दिया था। यदि हम सभी समुदायों में आर्थिक सशक्तिकरण का लक्ष्य रखते हैं तो यह प्रस्ताव प्रासंगिक है। यह संभावना नहीं है कि अल्पसंख्यक या हाशिए पर रहने वाले समूह केवल सहायता के संकेत के लिए समझौता करके, पिछड़ेपन का लेबल अपनाने की इच्छा रखते हैं। उन्हें भी देश और विदेश में गौरवान्वित भारतीय के रूप में उभरना चाहिए। वास्तविक चुनौती यह है कि हमारी जैसी विकासशील राजनीति योग्यता और सामाजिक—आर्थिक न्याय की तत्काल आवश्यकता को कैसे संतुलित करती है।

चुनावों में याद आते हैं टीएन शेषन

—योगेन्द्र योगी—

देश की मौजूदा पीढ़ी को शायद इस बात का अंदाजा भी नहीं होगा कि भारत की आजादी के बाद की ऊबड—खाबड़ यात्रा में देश ने ऐसे—ऐसे हिचकोले खाए कि लगने लगा था कि लोकतंत्र पटरी से उतर कर अराजकता में बदल जाएगा। इसी यात्रा में सबसे बड़ी चुनौती थी, देश के निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सम्पन्न कराना। आज जिस तरह शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव सम्पन्न कराए जा रहे हैं। करीब साढ़े तीन दशक पहले इसकी कल्पना तक नहीं की जा सकती थी। उस दौर में ऐसा कोई भी चुनाव नहीं रहा जो खून—खराबे से भरा नहीं रहा हो। देश में बैलट पर बुलट भारी था। बंदूक की नोक पर वोटों की पेटियों को लूटना आम बात थी। भारत की चुनावी प्रक्रिया में हर तरह की बुराई थी।

ऐसे में देश को एक ऐसा मुख्य चुनाव आयुक्त मिलता है, जो पूरी चुनाव व्यवस्था को बदलकर रख देता है। बड़े—बड़े दिग्गज नेताओं को नकेल कस देता है। उस मुख्य चुनाव आयुक्त का नाम है टीएन शेषन। आज अगर देश में निष्पक्ष और स्वतंत्र माहौल में चुनाव हो पाता है तो इसका श्रेय टीएन शेषन को जाता है। देश के दबंग चुनाव आयुक्त के तौर पर अपनी पहचान बनाने वाले टीएन शेषन नौकरशाही में भी सुधार के जनक थे। ईमानदारी और कानून के प्रति अपनी निष्ठा की वजह से वह बहुतों को खटकते भी थे। इस वजह से उनके विरोधी उनको सनकी और तानाशाह तक भी कहते थे। लेकिन वह व्यवस्था में क्रांति लाने वाले इंसान, मेहनती, सक्षम प्रशासक, योग्य नौकरशाह, बुद्धीजीवियों और मध्य वर्ग के नायक थे।

पलक्कड़ (केरल) के निवासी टीएन शेषन ने 1955 में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में ट्रेनी के तौर पर अपने कॅरियर की शुरुआत की। शेषन ने अपनी पहली तैनाती में ही तीखे तेवर दिखाते हुए तमिलनाडु के मदुरई जिले के डिंडीगुल में सब कलेक्टर पद पर रहते हुए हरिजन समुदाय के एक व्यक्ति पर फंड के घपले का आरोप में गिरफ्तार करवा दिया। मंत्री के दबाव के बाद भी आरोपी को नहीं छोड़ा।

चेन्नई में यातायात आयुक्त पद के दौरान एक बार एक ड्राइवर ने शेषन से पूछा कि अगर आप बस के इंजन को नहीं समझते और ये नहीं जानते कि बस को ड्राइव कैसे किया जाता है, तो आप ड्राइवरों की समस्याओं को कैसे समझ पाएंगे। शेषन ने इसको एक चुनौती के रूप में स्वीकार किया। उन्होंने न सिर्फ बस की ड्राइविंग सीखी बल्कि बस वर्कशॉप में भी काफी समय बिताया। एक बार उन्होंने बीच सड़क पर ड्राइवर को रोक कर स्टेयरिंग संभाल लिया और यात्रियों से भरी बस को 80 किलोमीटर तक चलाया। शेषन का तमिलनाडु के मुख्यमंत्री से काफी झगड़ा हो गया, जिसके बाद वे प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली आ गए और तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग के एक सदस्य के तौर पर उनकी नियुक्ति हुई। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के आग्रह पर पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के सचिव बन गए। सचिव के तौर पर उन्होंने टिहरी बांध और सरदार सरोवर बांध जैसी परियोजनाओं का विरोध किया। भले ही सरकार ने उनको विरोध को दरकिनार कर दिया और परियोजना पर काम को आगे बढ़ाया लेकिन बांध के पर्यावरण पर पडने वाले प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया गया।

इसके साथ ही शेषन ने विभागों में नहीं कहने का रुझान शुरू किया। इस दौरान राजीव गांधी से उनकी नजदीकी बढ़ी। वहां से उनको आंतरिक सुरक्षा का सचिव बनाया गया। करीब 10 महीनों बाद उनको कैबिनेट सचिव बनाया गया। जब राजीव गांधी दिसंबर 1989 में चुनाव हार गए और प्रधानमंत्री नहीं रहे तो टीएन शेषन का ट्रांसफर योजना आयोग में कर दिया गया। शेषन के मुख्य चुनाव आयुक्त बनने की दास्तां भी कम दिलचस्प नहीं है। दिसंबर 1990 केंद्रीय वाणिज्य मंत्री और शेषन के दोस्त सुब्रमण्यम स्वामी ने प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के दूत के तौर शेषन पर मुख्य चुनाव आयुक्त के पद की पेशकश की। शेषन इस प्रस्ताव से बहुत अधिक उत्साहित नहीं हुए थे, क्योंकि पहले ही कैबिनेट सचिव विनोद पांडे ने भी उन्हें ये प्रस्ताव दिया था। शेषन इस प्रस्ताव पर राजीव गांधी से मिले। राजीव गांधी ने शेषन को मुख्य चुनाव आयुक्त का पद स्वीकार करने के लिए अपनी सहमति दे दी। लेकिन वो इससे बहुत खुश नहीं थे। उन्होंने उन्हें छेड़ते हुए कहा कि वो दाढ़ी वाला शख्स (चंद्रशेखर) उस दिन को कोसेगा, जिस दिन उसने तुम्हें मुख्य चुनाव आयुक्त बनाने का फैसला किया था। पंडित जवाहर लाल नेहरू ने साठ के दशक में तमिलनाडु में शेखध को नजरबंद करवा दिया था। शेषन उस समय मदुरै जिले के कलेक्टर थे। उनकी जिम्मेदारी दी गई थी कि वो शेखध द्वारा बाहर भेजे गए हर पत्र को पढ़ें। शेख ने डॉक्टर एस राधाकृष्णन प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया के नाम पत्र लिखा। शेषन ने बिना डरे पत्र पढ़ लिया। शेखध ने घोषणा की कि वो उनके साथ किए जा रहे खराब व्यवहार के विरोध में आमरण अनशन पर जाएंगे। शेषन ने कहा कि सर ये मेरा कर्तव्य है कि मैं आपकी हर जरूरत का ख्याल रखूं, मैं ये सुनिश्चित करूंगा कि कोई आपके सामने पानी का एक गिलास भी ले कर न आए। शहरी विकास मंत्रालय के संयुक्त सचिव के धर्मराजन त्रिपुरा में हो रहे चुनावों का पर्यवेक्षक का कार्य छोड़ कर थाइलैंड चले गए। इस पर दंडित करते हुए शेषन ने उनकी गोपनीय रिपोर्ट में विपरीत प्रविष्टि करने का फैसला किया। शेषन ने वर्ष 1993 में 17 पेज का आदेश जारी किया कि जब तक सरकार चुनाव आयोग की शक्तियों को मान्यता नही देती, तब तक देश में कोई भी चुनाव नहीं कराया जाएगा। आखिरकार सरकार को उनके सामने झुकना पड़ा। मौजूदा आदर्श आचार संहिता उसी आदेश का परिणाम है। शेषन के आने से पहले मुख्य चुनाव आयुक्त एक आज्ञाकारी नौकरशाह होता था जो वही करता था जो उस समय की सरकार चाहती थी। ये शेषन का ही बूता था कि उन्होंने चुनाव में पहचान पत्र का इस्तेमाल आवश्यक कर दिया।

शेषन ने साफ कह दिया कि अगर मतदाता पहचान पत्र नहीं बनाए गए तो 1 जनवरी 1995 के बाद भारत में कोई चुनाव नहीं कराए जाएंगे। शेषन के दौर में ही हिमाचल प्रदेश में चुनाव के दिन पंजाब के मंत्रियों के 18 बंदूकधारियों को राज्य की सीमा पार करते हुए धर दबोचा गया। उत्तर प्रदेश और बिहार सीमा पर तैनात नागालैंड पुलिस ने बिहार के विधायक पप्पू यादव को सीमा नहीं पार करने दी। हिमाचल प्रदेश के तत्कालीन राज्यपाल गुलशेर अहमद को चुनाव आयोग द्वारा सतना का चुनाव स्थगित करने के बाद उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा। गुलशेर अहमद पर आरोप था कि उन्होंने राज्यपाल पद पर रहते हुए अपने पुत्र के पक्ष में सतना चुनाव क्षेत्र में चुनाव प्रचार किया था। उसी तरह राजस्थान के तत्कालीन राज्यपाल बलिराम भगत को भी शेषन का कोपभाजन बनना पड़ा था, जब उन्होंने एक बिहारी अफसर को पुलिस का महानिदेशक बनाने की कोशिश की। शेषन ने बिहार में पहली बार चार चरणों में चुनाव करवाया और चारों बार चुनाव की तारीखें बदली गईं। ये बिहार के इतिहास का सबसे लंबा चुनाव था। शेषन ने आचार संहिता के उल्लंघन पर पश्चिम बंगाल की राज्यसभा सीट पर चुनाव नहीं होने दिया, जिसकी वजह से केंद्रीय मंत्री प्रणब मुखर्जी को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ज्योति बसु इतने नाराज हुए कि उन्होंने उन्हें पागल कुत्ता कह डाला। साल 1992 के शुरू से ही शेषन ने सरकारी अफसरों को उनकी गलतियों के लिए लताडना शुरू कर दिया था। उसमें केंद्र के सचिव और राज्यों के मुख्य सचिव भी शामिल थे। बीते दशकों में टीएन शेषन से ज्यादा नाम शायद ही किसी नौकरशाह ने कमाया हो। वर्ष 1990 के दशक में तो भारत में एक मजाक प्रचलित था कि भारतीय राजनेता सिर्फ दो चीजों से डरते हैं। एक खुदा और दूसरे टीएन शेषन से।

अग्निकाण्डों पर कैसे हो नियंत्रण

—योगेश कुमार गोयल—

प्रतिवर्ष गर्मी की शुरुआत होते ही विभिन्न राज्यों में जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ने लगती हैं। शुष्क मौसम के कारण उत्तराखंड के पहाड़ी अंचलों में भी जंगलों के धधकने का सिलसिला तेज है। जंगल में आग लगने की बढ़ती घटनाओं के साथ ही इन पर नियंत्रण पाना भी मुश्किल होता जा रहा है। वन विभाग के सूत्रों के मुताबिक, उत्तराखंड में इस फायर सीजन में जंगलों में आग की करीब सौ घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें 100 हेक्टेयर से भी ज्यादा वन क्षेत्र को नुकसान पहुंचा है।

तापमान में बढ़ोतरी के चलते उत्तराखंड में गढ़वाल, कुमाऊं, अल्मोड़ा, कर्णप्रयाग, चमोली, चंपावत, नैनीताल, पौड़ी, टिहरी, रुद्रप्रयाग सहित कई जनपदों के जंगल धधक रहे हैं। कई जगहों पर जंगलों में दावानल भड़कने के दो—तीन दिन बाद तक भी वन विभाग मौके पर पहुंचने में नाकाम रहा और जंगलों से उठती आग की लपटें सब कुछ राख करती चली गईं। विशेषज्ञों के मुताबिक जंगलों में दावानल से बड़े पैमाने पर वन संपदा तो नष्ट होती ही है, पर्यावरणीय क्षति के साथ—साथ लोगों को जलवायु परिवर्तन का खमियाजा भी भुगतना पड़ता है।

गर्मियों में जंगलों में आग तेजी से फैलती है। जंगलों का पूरी तरह सूखा होना आग लगने के खतरे को बढ़ा देता है। कई बार जंगलों की आग जब आसपास के गांवों तक पहुंच जाती है तो स्थिति काफी भयावह हो जाती है। दो साल पहले उत्तराखंड के जंगलों में लगी आग में अल्मोड़ा में छह गौशालाएं, लकड़ियों के टाल सहित कई घर जलकर राख हो गए थे और वहां हेलीकॉप्टरों की मदद से बड़ी मुश्किल से आग बुझाई जा सकी थी।

जंगलों में आग के कारण वनों के पारिस्थितिकी तंत्र और जैव विविधता को भारी नुकसान होता है। प्राणी सर्वेक्षण विभाग का मानना है कि उत्तराखंड के जंगलों में आग के कारण जीव—जंतुओं की साढ़े चार हजार से ज्यादा प्रजातियों का अस्तित्व खतरे में है। वनों में आग से पर्यावरण के साथ—साथ वन सम्पदा का जो नुकसान होता है, उसका खमियाजा लंबे समय तक भुगतना पड़ता है और ऐसा नुकसान साल—दर—साल बढ़ता जाता है। पिछले चार दशकों में भारत में पेड़—पौधों की अनेक प्रजातियों के खत्म हो जाने के अलावा पशु—पक्षियों की संख्या भी घटकर एक तिहाई रह गई है और इसके विभिन्न कारणों में से एक कारण जंगलों की आग रही है। जंगलों में आग के कारण वातावरण में जितनी भारी मात्रा में कार्बन पहुंचता है, वह कहीं ज्यादा गंभीर खतरा है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, साल 2017 से 2019 के बीच जंगलों में आग लगने की घटनाएं तीन गुना तक बढ़ गईं। साल 2016 में देशभर के जंगलों में आग लगने की 37 हजार से ज्यादा घटनाएं दर्ज की गई थी, जो 2018 में बढ़कर एक लाख से ऊपर निकल गई। भारतीय वन सर्वेक्षण ने वर्ष 2004 में नासा के उपग्रह की मदद से राज्य सरकारों को जंगल में आग की घटनाओं की चेतावनी देना शुरू किया गया था। वर्ष 2017 में सेंसर तकनीक की मदद से रात में भी ऐसी घटनाओं की निगरानी शुरू की गई लेकिन तमाम तकनीकी मदद के बावजूद जंगलों में हर साल बड़े स्तर पर लगती भयानक आग जब सब कुछ निगलने पर आमादा दिखाई पड़ती है और वन विभाग बेबस नजर आता है, तो चिंता बढ़नी स्वाभाविक है। चिंता का विषय है कि जंगलों में आग की घटनाओं को लेकर सरकारों और प्रशासन के भीतर संजीदगी का अभाव दिखता है। एक दशक में हम वनों की आग से 22 हजार हेक्टेयर से भी ज्यादा जंगल खो चुके हैं। वन सर्वेक्षण संस्था की रिपोर्ट के अनुसार देशभर में 2004 से 2017 के बीच वनों में आग की 3.4 लाख घटनाएं हुई थी।

जंगलों में आग कई बार प्राकृतिक तरीके से नहीं लगती बल्कि पशु तस्कर भी लगा देते हैं। मध्य प्रदेश के जंगलों में लोग महुआ निकालने के लिए झाड़ियों में आग लगाते हैं। वहीं वनों में प्राकृतिक तरीके से आग लगने के प्रमुख कारण मौसम में बदलाव, सूखा व भूमि कटाव हैं। विशेषकर पहाड़ी क्षेत्रों में चीड़ के वृक्ष बहुतायत में होते हैं। पर्यावरण विशेषज्ञ इसे वनों का कुप्रबंधन ही मानते हैं कि देश का करीब 17 फीसदी वन क्षेत्र चीड़ से ही भरा पड़ा है। चीड़ के वृक्षों का बड़ा नुकसान है कि एक तो ये बहुत जल्दी आग पकड़ लेते हैं, साथ ही ये अपने क्षेत्र में चौड़ी पत्तियों वाले अन्य वृक्षों को पनपने नहीं देते। चूंकि चीड़ के वनों में नमी नहीं होती, इसलिए जरा—सी चिंगारी भी ऐसे वनों को राख कर देती है। कभी चीड़ के सूखे पत्तों को पर्वतीय क्षेत्रों के लोग पशुओं के बिछौने के रूप में इस्तेमाल किया करते थे किन्तु रोजगार की तलाश में पहाड़ों से पलायन के चलते लोगों को अब इन पत्तियों की जरूरत ही नहीं पड़ती और जंगलों में इन सूखी पत्तियों का ढेर इकट्ठा होता रहता है, जो थोड़ी गर्मी बढ़ते ही मामूली चिंगारी से ही सुलग उठते हैं व देखते ही देखते पूरा जंगल आग के हवाले हो जाता है। जंगलों में आग की बढ़ती घटनाओं पर काबू पाने में विफलता का बड़ा कारण यह भी कि वन क्षेत्रों में वनवासी अब वन संरक्षण के प्रति उदासीन हो चले हैं। वजह काफी हद तक नई वन नीतियां भी हैं। जरूरी है कि वनों के आसपास रहने वालों और उनके गांवों तक जन—जागरूकता मुहिम चलाकर वनों से उनका रिश्ता कायम करने के प्रयास किए जाएं ताकि वे वनों को अपने साथी समझें और उनके संरक्षण के लिए साथ खड़े नजर आएं।

सबका रक्षक है संविधान

—पूरन चंद सरीन—

संविधान की विशेषता रू सबसे पहले इस तथ्य पर आते हैं कि दुनिया में सबसे अधिक संशोधन हमारे ही संविधान में हुए हैं। जब से यह लागू हुआ, औसतन हर साल इसे 2 बार मतलब 106 बार संशोधित किया जा चुका है। जब यह है तो समझा जा सकता है कि इसे बदलने का जोखिम मतलब नए सिरे से लिखवाने का काम कोई सिरफिरा ही सोच सकता है। इसे कोई खतरा नहीं है, न लोकतंत्र को और न ही इसके अंतर्गत रखे गए किसी भी प्रावधान को क्योंकि इसमें कुछ भी जोड़ा या घटाया जा सकता है। इसमें कोई संदेह नहीं कि विश्व के सर्वश्रेष्ठ संविधानों से लिए गए महत्वपूर्ण और राजकाज भली—भांति चलाने वाले सिद्धांतों और नियमों पर आधारित हमारा संविधान निर्मित हुआ है। इसका लचीलापन इसकी विशेषता है लेकिन यह भी सच है कि कुछ नेताओं और उनके दल की सरकारों ने अपने निजी स्वार्थ के लिए इसी बात का फायदा उठाया और अनेक संशोधनों के जरिए कुछ ऐसी बातें इसमें शामिल करा लीं जिनका खमियाजा पूरे देश को चुकाना पड़ रहा है।

सबसे पहले आरक्षण की ही बात करें। इसे लेकर बहुत भ्रम है कि इसे समाप्त किया जा सकता है। वास्तविकता यह है कि इसकी व्यवस्था एक नियत और सीमित अवधि के लिए की गई थी। इसका उद्देश्य यही था कि आध्यक रूप से कमजोर और पिछड़े तथा गरीब वर्ग को कुछ समय के लिए राहत मिले और वे शीघ्रातिशीघ्र अपने पैरों पर खड़े होकर राष्ट्र की मुख्य आध्यक धारा से जुड़ सकें। हुआ यह कि अपना उल्लू सीधा करने में माहिर नेताओं ने न केवल हमेशा के लिए इसे लागू करने में सफलता पाई बल्कि एक बहुत बड़ी आबादी के लिए सशक्त और आत्मनिर्भर बनने के सभी रास्ते बंद कर दिए। लालच का ऐसा मकडजाल बुना कि उससे बाहर निकला ही न जा सके और वे सदैव उन पर निर्भर रहें। यह गुलामी से भी बड़ी दासता है।

हर जरूरी और गैर—जरूरी बात में आरक्षण के कारण एक बड़े वर्ग में निराशा फैलती गई और एक—दूसरे से नफरत करने का कारोबार कुछ इस तरह चला कि लोगों के जीवन में शत्रुता का जहर घुलता गया। विडंबना यह कि सरकारी नौकरियों में रिजर्व कैटेगरी के बहुत से पद भरे ही नहीं जाते क्योंकि योग्य उम्मीदवार नहीं मिलते। जो योग्य हैं वे इनके लिए आवेदन नहीं कर सकते। अफसोस होता है कि हमारे तथाकथित कर्णधारों ने इसे क्या से क्या बना दिया! इसकी कहीं गुहार भी नहीं लगा सकते क्योंकि संविधान में किया संशोधन बीच में आ जाता है।

आरक्षण का मुद्दा इतना व्यापक है कि आरक्षित और अनारक्षित वर्ग के शांतिप्रिय पड़ोसी भी जब तब अशांत होकर अभद्र भाषा से लेकर मारपीट तक पर उतर आते हैं। दोनों को लगता है कि उनके साथ अन्याय हुआ है। इस तरह यह वर्ग संघर्ष जाति संघर्ष में बदल दिया गया। इसका भयानक स्वरूप सामने आने लगा है और ऐसी घटनाएं देश के विभिन्न भागों में अक्सर होती रहती हैं जब लोग इसकी आड़ में हिंसा, आगजनी और समाज में अफरा—तफरी का माहौल बनाकर एक दूसरे से लड़ाने का काम करते दिखाई देते हैं। जो आरक्षण आर्थिक आधार था, उसे स्वार्थी लोगों ने इतना विखंडित कर दिया कि आज यह अपने सबसे विकृत रूप में देश के सामने एक महादैत्य के रूप में खड़ा है। अब जाति ही नहीं धर्म का आधार भी इसमें जोड़ दिया है या जोड़े जाने की कवायद चल रही है। इसका स्वरूप इतना विकराल हो गया है कि अब इसकी भूख कभी शांत नहीं होती दिखाई देती। राजनीतिक दल उसे कभी तृप्त होने ही नहीं देते।

पिकप ने मारी टक्कर चाचा की मौत

संवाददाता–गोण्डा। वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने बाइक से जा रहे चाचा भतीजा चिड़ियापुर के पास सड़क हादसे का शिकार हो गए। इस घटना में गंभीर रूप से घायल चाचा की उपचार के दौरान मौत हो गई जबकि भतीजे की हालत गंभीर बनी हुई है, उसे इलाज के लिए लखनऊ के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। असामायिक मौत से घर परिवार में कोहराम मचा हुआ है। धानेपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत पूरे महा के मजरा लोनियन पुरवा के रहने वाला भोला चौहान अपने भतीजे गुड्डू चौहान के साथ एक बाइक पर सवार होकर गांव के पटटीदारी के चाचा के लड़के के शादी समारोह में शामिल होने के लिए भगवानपुर बारात जा रहे थे। बताया जाता है कि धानेपुर इलाके में गोंडा उतरौला मुख्य मार्ग पर याकूबगंज जाने वाले मार्ग पर चिड़ियापुर के निकट पहुंचे ही थे कि डीजे लादकर तेज गति से जा रही एक पिकप ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार दोनों चाचा – भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस व एम्बुलेंस की दी। एम्बुलेंस के जरिए दोनों घायलों को रात में ही पहले उपचार के लिए सीएचसी मुजेहना पहुंचाया गया। जहां से उपचार के लिए जिला अस्पताल में पहुंचाया गया, जहां पर उपचार के दौरान भोला चौहान (25) ने दम तोड़ दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल भतीजे गुड्डू चौहान को डाक्टरों ने उपचार के बाद हालत की गंभीरता को देखते देखते बेहतर उपचार के लखनऊ रेफर कर दिया है।

वर्ष 2014 में भाजपा के टिकट पर पंकज चौधरी पांचवीं बार जीते

संवाददाता–महराजगंज। वर्ष 2014 में हुए सोलहवें आम चुनाव भाजपा की प्रचंड जीत में महराजगंज लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र–63 से पंकज चौधरी जीत हासिल कर पांचवीं बार सांसद बने। देश में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बन कर उभरी। नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री चुने गए।

सोलहवें आम चुनाव में महराजगंज लोकसभा क्षेत्र से कुल 23 प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया था। जांच के बाद सभी का पर्चा वैध मिला था। भाजपा से पंकज चौधरी, कांग्रेस से हर्षवर्धन, बसपा से काशीनाथ शुक्ला, सपा से अखिलेश सिंह चुनाव मैदान में थे। इनके अलावा बहुजन मुक्ति पार्टी, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी, पीस पार्टी, लोकदल, नैतिक पार्टी, मोस्ट बैकवर्ड क्लासेज आफ इंडिया, स्वराज (जे), जयहिन्द समाज पार्टी, अपना दल युनाईटेड पार्टी भी अपने उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतारी थी। नौ प्रत्याशी निर्दल थे। चुनाव में पंकज चौधरी 4 लाख 71 हजार 542 वोट पाकर विजेता बने। इसी विजय के साथ पंकज चौधरी ने महराजगंज लोकसभा क्षेत्र से जीत का पंजा लगाया। बसपा उम्मीदवार 2 लाख 31 हजार 84 वोट के साथ दूसरे स्थान पर रहे। सपा प्रत्याशी अखिलेश सिंह को 2 लाख 13 हजार 974 वोट मिला था। कांग्रेस के टिकट पर चुनाव मैदान में उतरे हर्षवर्धन 57 हजार 193 वोट के साथ चौथे स्थान पर रहे। इस चुनाव के पहले 2009 के चुनाव में हर्षवर्धन ही सांसद चुने गए थे। निर्दल उम्मीदवार अनिल कुमार साहनी 15 हजार 517 वोट पाए थे। अन्य सभी उम्मीदवार एक फीसदी भी वोट नहीं पा सके थे।

सोलहवें लोकसभा चुनाव में महराजगंज संसदीय क्षेत्र में कुल 17 लाख 43 हजार 131 मतदाता थे। इसमें महिला मतदाता 7 लाख 96 हजार 767 व पुरुष मतदाताओं की संख्या 9 लाख 46 हजार 234 थी। 12 मई को 1677 पोलिंग स्टेशन पर मतदान हुआ। 10 लाख 60 हजार 241 वोटरों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। इसमें महिला मतदाताओं की संख्या 5 लाख 10 हजार 481 थी। नोटा को भी 4545 वोट मिले थे। इस चुनाव में भाजपा प्रत्याशी पंकज चौधरी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी बसपा के काशीनाथ शुक्ला को 2 लाख 40 हजार 458 वोट के अंतर से पराजया किया था। वैध वोटों में से पंकज चौधरी को 44.47 फीसदी वोट मिला था।

वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में 23 प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। इसमें से हर्षवर्धन, आरत खरवार, कविलास, मुमताज, मंगल लाल, पशुपतिनाथ गुप्ता, राधेश्याम, राम समुझ, विमलेश त्रिपाठी, शिवचरन, अखिलेश कुमार, अजय धर, अनिल कुमार साहनी, गोविन्द दास, तेज प्रताप, दिनेश कुमार, दीनानाथ, राकेश कुमार गिरी व राकेश कुमार गुप्ता की जमानत जब्त हो गई थी। 13 प्रत्याशी ऐसे थे जिनको नोटा से भी कम वोट मिला था। नोटा को 4545 वोट मिला था।

मिशन शक्ति के तहत जागरूकता अभियान चलाया गया

संवाददाता–गोण्डा। मिशन शक्ति 4.0 के तहत अभियान के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर एंटी रोमियो स्क्वायड की टीम ने मंगलवार को विभिन्न थानों के अंतर्गत अभियान चलाया। इस दौरान महिलाओं और बालिकाओं को मिशन शक्ति के बारे में जागरूक किया गया। वहीं हेल्पलाइन नंबर 1090, 181, 112, 1076 व 1098, 108,102 व 1930 साइबर हेल्प लाइन से सम्बन्धित जानकारी दी गई। महिलाओं व बालिकाओं से उनकी समस्याएं भी पूछी गई। छात्राओं से समस्या के समय टोल फ्री नंबर 112 या नजदीकी पुलिस स्टेशन पर सूचना देने की अपील की गई।

पुलिस ने खाते में वापस कराई ठगी हुई रकम

संवाददाता–गोण्डा। पुलिस ने शनिवार को एक व्यक्ति के खाते से ठगी कर निकाले गए 4465 रुपए को साइबर सेल की मदद से व्यक्ति के खाते में वापस कराया। जिससे लोगों ने पुलिस की सराहना करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की है। थानाध्यक्ष कौड़िया अंकुर वर्मा ने बताया कि थाना क्षेत्र के शबन पुत्र मोहम्मद निवासी भैरमपुर के मोबाइल पर फर्जी एक फाइनेंस कंपनी की ओर से एक फोन आया। फोन पर ऑफर आने की बात कहते हुए उसके खाता से 7930 रुपए काट लिया गया। जिसकी शिकायत पीड़ित ने की। जिस पर व्यक्ति ने हेल्पलाइन नंबर 1930 पर आनलाइन शिकायत दर्ज कराई। साइबर सेल से समन्वय स्थापित कर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने पीड़ित के खाते में 4465 रुपए की धनराशि वापस कराई। रुपए वापस पाकर पीड़ित परिवार के चेहरे पर मुस्कान आई।

रेप के केस में फंसाना चाहती है बहू, ससुर ने थाने में लगाई गुहार

संवाददाता–महराजगंज। बहू और बड़े बेटे से परेशान एक शख्स ने पुलिस से गुहार लगाई है। इस शख्स का आरोप है कि बहू उन्हें और उनके छोटे बेटे को दुष्कर्म के झूठे केस में फंसाना चाहती है। बेटा भी इसमें उसका साथ दे रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मामला, महराजगंज के सिंदुरिया थानाक्षेत्र के पतरेंगवा गांव का है। यहां के रहने वाले पीड़ित ससुर, बहू और बेटे के खिलाफ फरियाद लेकर पुलिस कार्यालय पहुंचे। पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर उन्होंने कहा कि बहू और बेटा दोनों मिल कर मुझे और छोटे बेटे को दुष्कर्म के झूठे आरोप में फंसाना चाहते हैं। बार–बार थाने में जाकर दोनों शिकायत करते रहते हैं। ससुर ने एसपी से पूरे प्रकरण की जांच कराकर कार्रवाई कराने की गुहार लगाई है। एसपी को संबोधित शिकायती पत्र में ससुर ने कहा कि एक दिन अचानक घर का ताला तोड़कर दो अज्ञात लोगों के साथ घुस कर बहू और बेटे गाली–गलौज करने लगे। यही नहीं उन्होंने लाठी–डंडे से पीटना भी शुरू कर दिया। घर मे रखे सामान को तोड़ दिया। मेरी पत्नी के विरोध करने पर उसे भी बुरी तरह मारा पीटा। जिससे उसको गंभीर चोटे लगी है। घर में रखा पांच हजार रुपया भी निकाल ले गए। सूचना देने पर डायल 112 की गाड़ी मौके पर पहुंची। उसके बाद आरोपित भाग गए। घटना की जानकारी थाने पर जाकर देने के बाद भी कोई सार्थक सहयोग नहीं मिला। ससुर ने इस मामले में एसपी को प्रार्थना पत्र देकर आरोपितों के खिलाफ जांच कराकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

श्री अवध बिहारी भवन में संतो के सानिध्य में संपन्न हुआ यज्ञोपवीत संस्कार

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या।अयोध्या के रामघाट स्थित श्रीअवधबिहारी भवन पूजा पैलेस में शनिवार को आचार्य रमोज वत्स की सानिध्यता में संतों का सम्मान एवं यज्ञोपवीत संस्कार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर रांची झारखंड के तीन ब्राह्मण बटुकों का विधि–विधान पूर्वक यज्ञोपवीत संस्कार हुआ। धार्मिक कार्यक्रम से पूरा आश्रम परिसर ओत–प्रोत रहा। अयोध्याधाम के विद्वान आचार्यो ने वैदिक मंत्रोच्चारण संग यज्ञोपवीत संस्कार संपन्न कराया। श्रीरामवल्लभाकुंज के अधिकारी संत राजकुमार दास ने कहा कि सनातन धर्म में यज्ञोपवीत संस्कार का बड़ा महत्व है। यज्ञोपवीत संस्कार होने के बाद ही बालक को धार्मिक कार्य करने का अधिकार मिलता है। व्यक्ति को यज्ञ करने का अधिकार प्राप्त हो जाता ही यज्ञोपवीत से। पदम् पुराण के अनुसार करोड़ों जन्म में किए हुए पाप यज्ञोपवीत धारण करने से नष्ट हो जाते हैं। वहीं श्रीअवधबिहारी भवन पूजा पैलेस के आचार्य रमोज वत्स ने बताया कि प्रणतपाल नाथ तिवारी जो अपने परिजनों संग रांची झारखंड से आए थे। इनके पौत्रों और पौहित्रों का यज्ञोपवीत संस्कार कार्यक्रम आश्रम में संपन्न हुआ। उसी उपलक्ष्य में वृहद भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें अयोध्यानगरी के विशिष्ट संत–महंत सम्मिलित हुए। काफी संख्या में संतों ने प्रसाद ग्रहण किया। आए हुए संत–महंतों व विशिष्टजनों का स्वागत–सत्कार किया गया। इस अवसर पर मणिरामदास छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास, लक्ष्मणकिला धीश महंत मैथिलीरमण शरण, श्रीरामवल्लभाकुंज के अधिकारी राजकुमार दास, महंत अर्जुन दास, महंत रामकुमार दास, श्रीरामाश्रम पीठाधीश्वर महंत जयराम दास, चंद्रहितेश्वर नाथ महादेव मठ के महंत रवींद्र दास, पत्थर मंदिर के महंत मनीष दास, महंत मुकेश दास, आनंद शास्त्री, महंत उत्तम दास, प्रणतपाल नाथ तिवारी, प्रभुनाथ तिवारी, ज्ञाननाथ तिवारी, प्रवीणनाथ तिवारी, आचार्य मिथिलेश पांडेय, आचार्य करुणानिधान गर्ग, आलोक सिंह, अनुराग द्विवेदी, गोविंद यादव, रामजी तिवारी आदि उपस्थित रहे।

24 घंटे बाद मुख्य नहर में उतराता मिला भगवानदीन का शव

संवाददाता–बलरामपुर। राप्ती मुख्य नहर में डूबे युवक का शव 24 घंटे बाद शनिवार को लछुवापुर गांव के निकट पानी में उतराता मिला है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। शव मिलते ही टिटहरिया गांव में करुण क्रन्दन मच गया।

स्थानीय थाना क्षेत्र अंतर्गत टिटहरिया के लगभग डेढ़ दर्जन युवक शुक्रवार दोपहर लगभग 12 बजे गांव से थोड़ी दूर स्थित राप्ती मुख्य नहर में नहाने गए थे। नहाते समय 20 वर्षीय भगवानदीन पुत्र रेंगू पाल गहरे पानी में डूब गया था। साथ में नहा रहे राकेश पासवान, विजय व डेविड ने ग्रामीणों को भगवानदीन के नहर में डूब जाने की सूचना ग्रामीणों को दी थी। स्थानीय गोताखोरों ने युवक को ढूंढने का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली। घटना की सूचना पाकर हरैया सतघरवा थाना के प्रभारी निरीक्षक गोविंद कुमार ने पीएसी के गोताखोरों को बुलाया था। गांव के तमाम लोग रात भर राप्ती मुख्य नहर के किनारे जुटे रहे। सुबह 10 बजे पीएससी के गोताखोर मौके पर पहुंचे। टिटहरिया से लगभग 3 किलोमीटर दूर लछुवापुर गांव के लोग मुख्य नहर किनारे शौच करने गए थे। उन्होंने पानी में शव उतराता देखकर शोर मचाया। थोड़ी ही देर में लाश की शिनाख्त कर ली गई। भगवानदीन मुंबई में रहकर मजदूरी करता था। 10 अप्रैल को वह घर वापस लौटा था। तीन बहनों के बीच वह अकेला भाई है। पिता रेंगू पाल व मां लखराजी का रो–रो कर बुरा हाल है। गांव के दर्जनों लोग भगवानदीन के घर एकत्रित थे। सभी की आंखों में आंसू थे। अधिकांश घरों में चूल्हे नहीं जले। प्रभारी निरीक्षक गोविंद कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में मिला दो युवकों का शव, नहीं हो सकी पहचान

संवाददाता–गोण्डा। मनकापुर रेल ट्रैक पर एक युवक का शव मिला है। युवक केवल चड्डी पहने हुए है। पुलिस का मानना है कि रेल यात्रा के दौरान युवक ट्रेन से गिर गया है। लेकिन पुलिस की यह कहानी किसी के गले नहीं उतर रही है। लोगों का कहना है कि कोई भी व्यक्ति ट्रेन में केवल चड्डी पहनकर क्यों यात्रा करेगा। ऐसे में युवक के हत्या होने की आशंका लगाई जा रही है। वही खरगूपुर थाना क्षेत्र के जानकी नगर क्षेत्र में सड़क के किनारे झाड़ियां में बाइक समेत शव मिला। इन दोनों युवकों की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। गोंडा जिले के मनकापुर मोतीगंज रेल ट्रैक पर एक युवक का शव मिला है। रेल कर्मियों ने इसकी सूचना स्टेशन मास्टर को दिया। स्टेशन मास्टर की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आसपास के लोगों से पहचान करने की कोशिश किया। लेकिन युवक का कोई पता नहीं चल सका। युवक के पूरे शरीर पर कपड़े के नाम पर सिर्फ वह चड्डी पहने हुए हैं। ऐसे में यह आशंका व्यक्त की जा रही है। युवक की हत्या कर शव को रेलवे ट्रैक पर फेंक दिया गया है। लोगों का कहना है कि यदि वह ट्रेन से सफर कर रहा था। तो क्या सिर्फ चड्डी ही पहने हुए था। लेकिन पुलिस का मानना है कि सफर के दौरान युवक ट्रेन से गिर गया है। और चोट लगने से उसकी मौत हो गई है। युवक के पास से कोई पहचान पत्र भी नहीं मिला है। प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने 30 वर्षीय युवक का शव झिलाही मोतीगंज रेलवे ट्रैक के पास से बरामद किया गया है। शव का पहचान करवाने का प्रयास किया गया। लेकिन नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसे लगता है कि यात्रा करने के दौरान युवक ट्रेन से गिर गया है। उसके सिर और हाथ में गंभीर चोट आई है। उसका हाथ टूटा है। युवक के दाहिने हाथ में अंग्रेजी में राजू डॉट के लिखा हुआ है।

गोंडा जिले के खरगूपुर थाना क्षेत्र के जानकी नगर बलरामपुर गोंडा राजमार्ग पर पुलिया के पास गड्ढे में 27 वर्षीय युवक का शव पड़ा मिला। राहगीरों की सूचना पर पहुंची जानकी नगर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। युवक का शव के पास से एक हीरो होंडा पैशन प्रो मोटरसाइकिल भी बरामद किया है। लोगों का कहना है कि युवक रात में बाइक से सवार होकर गोंडा के तरफ से बलरामपुर के तरफ जा रहा था। इसी दौरान पुलिया के मोड़ पर वह किन्हीं कारणों से दुर्घटना का शिकार हो गया। दुर्घटना में युवक मुंह के बल गिरने के कारण उसकी मौत हो गई है। रात भर गड्ढे में पड़ा रहा। सुबह मामले की जानकारी हुई। इस संबंध में जानकीनगर पुलिस चौकी प्रभारी इंद्रसेन वर्मा ने बताया कि मृतक की पहचान नहीं हो सका है। मृतक के एक हाथ में अंग्रेजी के अक्षर में ट. च्न्श्र। लिखा हुआ है। चौकी प्रभारी ने बताया कि बाइक के जरिए युवक की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

75 प्रतिशत मतदान वाली ग्राम पंचायतों के प्रधान होंगे सम्मानित

संवाददाता–देवरिया। जिलाधिकारी अखंड प्रताप सिंह ने लोकसभा चुनाव दृष्टिगत भाटपाररानी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न बूथों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि जिन–जिन ग्राम पंचायतों में मतदान प्रतिशत 75 से अधिक होगा वहां के प्रधानों को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने मतदान केंद्रों को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप तैयार करने के संबन्ध में आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। डीएम ने मतदाताओं को आमंत्रित करते हुए ग्राम प्रधानों एवं उनके प्रतिनिधियों को पाती भी सौंपी। उन्होंने कहा कि गर्मी के दृष्टिगत सभी मतदान केंद्रों पर विशेष इंतजाम किए जाएंगे। मतदाताओं की सुविधा के लिए छायादार स्थल एवं बैठने के लिए पर्याप्त संख्या में कुर्सियों की व्यवस्था की जाएगी। सभी मतदान केंद्रों पर लू–हेल्प डेस्क की स्थापना की जाएगी, जहां स्वास्थ्य कर्मी आवश्यक उपकरण के साथ मौजूद रहेंगे। इसके अतिरिक्त नींबू पानी, शीतल पेयजल इत्यादि की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

जिलाधिकारी ने श्री लखन जी इंटरमीडिएट कॉलेज अहिरौली बघेल, संग्राम सिंह बघेल इंटरमीडिएट कॉलेज, प्राथमिक विद्यालय बतरौली बनकटा, प्राथमिक विद्यालय टड़वा बनकटा, प्राथमिक विद्यालय परसिया छितनी सिंह, कंपोजिट प्राथमिक विद्यालय नोनार कपरदार, प्राथमिक विद्यालय बंगरा बाजार, सर्वोदय इंटरमीडिएट कॉलेज, प्राथमिक विद्यालय पिपरा दक्षिणी सहित विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया।

उन्होंने मतदान केंद्रों में रैंप, शौचालय, स्वच्छ पेयजल, पंखा, प्रकाश व्यवस्था, फर्नीचर, चार्जिंग पॉइंट इत्यादि के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि मतदान केंद्रों को इस तरह बनाया जाए जिससे मतदाताओं के साथ–साथ मतदान कार्मिकों को भी उत्सव का अनुभव हो। दिव्यांग एवं वृद्ध मतदाताओं को किसी भी तरह की असुविधा न हो यह सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान एसडीएम भाटपाररानी हरिशंकर लाल, सीओ शिवप्रताप सिंह सहित विभिन्न अधिकारी मौजूद रहे।

बंदर ने महिला को छत से दिया धक्का, मौत

संवाददाता–देवरिया। भटनी इलाके के एक घर की छत से कपड़ा उतारने व गेहूं की रखवाली करने गई महिला को बंदर ने धक्का दे दिया। घायल अवस्था में परिजन महिला को देवरिया स्थित मेडिकल कॉलेज में ले गए, जहां उसकी मौत हो गई। इसकी जानकारी मिलते ही घर में चीख–पुकार मच गई। पति व दो बच्चों का रो–रो कर बुरा हाल है। घटना से गांव में शोक की लहर दौड़ गई। पीड़ित परिवार के पड़ोस से जा रही बरात का उत्साह भी फीका पड़ गया। भटनी के उसका गांव निवासी बृजभान सिंह उर्फ दरोगा गांव में ही आटा चक्की चलाते हैं। शुक्रवार को उनकी पत्नी उषा देवी (45) छत पर गेहूं सूखने को डाली थी। शाम को करीब पांच बजे वह पड़ोस से जा रही बरात में परछावन करने जाने के लिए तैयार हुईं। तभी छत पर बंदर आने की सूचना मिली। वह छत पर चढ़कर गेहूं की रखवाली करते हुए सूखने को डाले गए कपड़े उतारने लगीं। इसी दौरान एक बंदर ने उनको छत से धक्का दे दिया। इससे वह छत से गिरकर बेहोश हो गईं। जानकारी पर परिजन उन्हें लेकर सीएचसी पहुंचे जहां स्थिति गम्भीर देख डॉक्टरों ने देवरिया स्थित मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। रात करीब साढ़े नौ बजे उषा देवी का इलाज के दौरान मौत हो गई। महिला के मौत से पति बृजभान सिंह, बेटा विक्रांत और अखिलेश का रो–रो कर बुरा हाल है।

बढ़ रही गर्मी में बेबस हैं बेजुबान, कोई नहीं ले रहा सुधि

संवाददाता–बलरामपुर। दिनोंदिन बढ़ रही गर्मी व लू के थपेड़ों से बेजुबान जानवर भी परेशान हैं। सड़कों पर घूम रहे बेसहारा पशुओं के लिए गो संरक्षण केंद्र व कान्हा गोशाला निर्माण की योजना महज कागजों तक सिमट कर रह गई है। शहर की मुख्य सड़क व गली–मोहल्लों में घूम रहे पशुओं का आश्रय व चारा–पानी की व्यवस्था नहीं है। गर्मी बढ़ने के कारण पशुओं के सामने पेयजल का संकट पैदा हो गया है।

तेज धूप में भूख–प्यास से बेहाल बेजुबान जानवर गलियों में छांव ढूंढकर बैठे नजर आते हैं। चिलचिलाती धूप में इधर उधर घूमते पशु भी दिख जाते हैं। ऐसे में भीषण गर्मी में इन बेजुबानों की सहायता करता कोई विभाग नहीं दिख रहा है। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी कार्यालय का दावा है कि 11986 गोवंश विभिन्न गोआश्रय स्थलों में संरक्षित हैं। जिले के नौ ब्लाकों में 105 गोआश्रय स्थल संचालित है। वर्ष 2019 में हुई पशुगणना में मात्र 9228 बेसहारा जानवर दिखाए गए थे। बीते दिसंबर में चले अभियान में दो कैटिल कैचर के माध्यम से दो हजार बेसहारा जानवरों को पकड़कर गोशाला पहुंचाया गया है। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डा. श्याम नगीना राम ने बताया कि पशु पालन विभाग के पास कैटिल कैचर कम होने से बेसहारा जानवरों को पकड़ने में दिक्कतें आ रही हैं। नगर निकाय से मदद मांगी गई है। पशुपालकों को भी गोवंशों को बेसहारा न छोड़ने की सलाह दी गई है। पशुओं को गोशाला पहुंचाने का निर्देश दिया गया है।

जंगलवर्ती मतदान केन्द्रों पर लगेंगे अस्थाई मोबाइल टावर

संवाददाता–बलरामपुर। जंगलवर्ती आधा दर्जन मतदान केन्द्रों पर मोबाइल नेटवर्क के लिए अस्थाई टावर की व्यवस्था होगी। नदी पार कर बूथ पर पहुंचने वाले मतदाताओं के लिए नाव का इंतजाम होगा। मतदान कार्मिकों को ताजा भोजन व शुद्ध पेयजल मुहैय्या कराया जाएगा। जिलाधिकारी अरविंद कुमार सिंह ने शनिवार को सुदूरवर्ती मतदान केन्द्रों का जायजा लिया। उन्होंने शांति पूर्वक मतदान सम्पन्न कराए जाने सम्बंधी आवश्यक निर्देश जारी किए। यह भी कहा कि मतदाताओं को मतदान में किसी प्रकार की दिक्कत नहीं आनी चाहिए।

उतरौला तहसील का मतदान स्थल है भरवलिया। यहां मतदाता नदी पार करके मतदान करने आते हैं। जिलाधिकारी ने मतदान स्थल पर मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने स्वच्छता, पेयजल, शौचालय आदि की स्थिति देखी जो संतोषजनक मिली। डीएम ने हैण्डपम्प चलाकर देखा तो उसमें से पानी आ रहा था। डीएम ने कहा कि मतदान वाले दिन भरवलिया में पर्याप्त मात्रा में नाव लगाई जाएं। मतदान केन्द्र प्राथमिक विद्यालय नंदौरी एवं मझारी तप्पाबांक का निरीक्षण किया। मझारी में नलों में टोटी नहीं मिली तो नाराजगी व्यक्त की। कहा कि इसे तत्काल दुरुस्त कराया जाए। डीएम बोले कि सभी मतदान कार्मिकों को सुराही एवं घड़े का ठण्डा पानी मिलना चाहिए। साथ ही मतदान केन्द्रों पर जनरेटर की व्यवस्था जरूरी है।

डीएम ने पचपेड़वा ब्लाक अन्तर्गत जंगल से सटे मतदान केन्द्र प्राथमिक विद्यालय चंदनपुर, भगवानपुर कोडर, सेमरहवा व भुसहर पुरई का निरीक्षण किया। पाया गया कि इन गांवों में मोबाइल का नेटवर्क नहीं रहता है। डीएम ने कहा कि अस्थाई टावर लगाकर नेटवर्क बहाल किया जाएगा जिससे मतदान प्रभावित न हो।

वह बोले कि मतदेय स्थलों के निकट टेंट लगाकर छांव की व्यवस्था कराई जाएगी। महिलाओं और बुजुर्गों के लिए कुर्सियों का इंतजाम होगा। मतदान व एक दिन पहले कार्मिकों के लिए स्वादिष्ट भोजन, जलपान उपलब्ध कराने का निर्देश बीडीओ एवं बीईओ को दिया। डीएम ने कहा कि दुर्गम एवं कठिन स्थानों पर मतदाताओं को किसी प्रकार की दिक्कत न हो इस बात का पूरा ख्याल रखा जाएगा। निरीक्षण के दौरान उतरौला एसडीएम अवधेश कुमार, तुलसीपुर एसडीएम अभय सिंह आदि मौजूद थे।

लोकसभा चुनाव में 95 लाख तक खर्च कर सकेंगे प्रत्याशी

संवाददाता–महराजगंज। लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवारों को 25 हजार रुपये की जमानत धनराशि जमा करना होगी। आवेदन के साथ ही जमा के प्रमाण के लिए जमा पर्ची लगानी होगी। आवेदन सात मई से 14 मई तक होगा। नामांकन जिला मुख्यालय पर निर्धारित कक्ष में होगा। चुनाव प्रचार अभियान में खर्च की सीमा निर्धारित हो चुकी है। प्रत्याशी 95 लाख रुपये तक खर्च कर सकते हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी चुनाव के लिए सात मई को अधिसूचना जारी करेंगे। सात मई से ही नामांकन पत्रों की बिक्री और जमा करने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। 14 मई तक नामांकन पत्र जमा किए जाएंगे। नामांकन पत्रों की जांच 15 मई को होगी। 17 मई को नामांकन पत्र वापस लिया जा सकेगा। मतदान एक जून को होगा। मतगणना चार जून को होगी। चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को जमानत धनराशि के तौर पर 25 हजार रुपये जमा करना होगा। कोष में धनराशि जमा करने के बाद उसकी रसीद नामांकन पत्र के साथ संलग्न करना होगा। एक उम्मीदवार चुनाव प्रचार में कुल 95 लाख रुपये खर्च कर सकते हैं। वाहन, पानी, चाय नाश्ता,टेंट, माइक, व अन्य खर्चे बढ़ सकते हैं।

भाजपा संयुक्त मोर्चा की बैठक में बनी चुनाव की रणनीति

संवाददाता–बलरामपुर। जिला कार्यालय अटल भवन पर भाजपा संयुक्त मोर्चा पदाधिकारियों की बैठक शनिवार को आयोजित की गई। बैठक में सभी मोर्चा के आगामी कार्य योजनाओं पर चर्चा की गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष एवं जिला प्रभारी राहुल रावत रस्तोगी ने कहा कि सभी मोर्चा के पदाधिकारी की जिम्मेदारी काफी अहम है। चुनाव का समय चल रहा है। मोदी की गारंटी पर देश की जनता को विश्वास है। विपक्ष देश में सिर्फ तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है जबकि केंद्र एवं प्रदेश की सरकार जनता का विश्वास जीतने का कार्य कर रही है। 2024 के लोकसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन को 400 के पार सीटें मिलेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष प्रदीप सिंह ने कहा कि सभी कार्यकर्ता अपने–अपने क्षेत्र में सरकार की योजनाओं को बताने का कार्य करें। सभी मोर्चा के पदाधिकारी लाभार्थियों से संपर्क कर केंद्र व प्रदेश की अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दें जिससे अधिक से अधिक संख्या में जनता को लाभ मिल सके। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष आद्या सिंह, जिला महामंत्री वरुण सिंह मोनू, बिंदु विश्वकर्मा, जिला मंत्री अवधेश त्रिपाठी तरुण, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष ललित तिवारी, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष शशांक सिंह गौरव, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष संदीप वर्मा, अनुसूचित मोर्चा जिला अध्यक्ष शिवकुमार वाल्मीकि व पिछड़ा मोर्चा जिला अध्यक्ष दुष्यंत चौधरी सहित तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दूसरे दिन नदारद रहे सात कर्मिकों पर दर्ज होगी प्राथमिकी

संवाददाता–श्रावस्ती। लोकसभा सामान्य निर्वाचन में लगाये गये कार्मिकों को अलक्षेन्द्र इण्टर कालेज भिनगा में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। शुक्रवार से आयोजित प्रशिक्षण में शनिवार को सात कर्मी अनुपस्थित मिले। जिन पर प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी कृतिका शर्मा एवं प्रभारी अधिकारी कार्मिक अनुभव सिंह की अध्यक्षता में पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारी प्रथम को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में मतदान सामग्री, ईवीएम, माकपोल, मशीन सील करना, वोटिंग क्लोज करना तथा पत्रक पर हस्ताक्षर करने सहित मतदान प्रक्रियाओं का बारीकी से प्रशिक्षण दिया गया। यदि कोई ईवीएम में अचानक खराबी आ जाए तो क्या करना आदि के बारे में विस्तार से बताया गया। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने स्वयं मतदान कार्मिकों को मशीन संचालन के सम्बन्ध में जानकारी दी।

प्रशिक्षण दो पालियों में प्रातः 10.00 बजे से अपरान्ह 12.00 बजे तथा अपरान्ह 02.00 बजे से सायं 05.00 बजे तक दिया गया। पीठासीन अधिकारी, मतदान अधिकारी प्रथम को मिलाकर दोनों पालियों में कुल 1097 कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया जाना था, जिसमें से दोनों पालियों में मिलाकर कुल 1090 मतदान कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें सात कर्मी अनुपस्थित मिले। प्रशिक्षण के दौरान कुल सात कार्मिक सहायक अध्यापक रचना देवी प्राथमिक विद्यालय अख्तर नगर, सहायक अध्यापक राजेश कुमार कम्पोजिट विद्यालय दामोदरा, सहायक अध्यापक सुभावती जूनियर हाईस्कूल बलनपुर, सहायक अध्यापक पीयूष मिश्रा कम्पोजिट विद्यालय कोकल, सहायक अध्यापक प्रशान्त मिश्रा प्राथमिक विद्यालय भिठौरा, सहायक अध्यापक अनुजा परासर कम्पोजिट विद्यालय जयचन्द्रपुर कटघरा एवं आयुष विभाग के औषधि निरीक्षक प्रीति सिंह नदारद पायी गई। डीएम ने बताया कि अनुपस्थित पाए गए कर्मियों पर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत सुसंगत धाराओं में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करायी गई है। प्रशिक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी संजय कुमार, जिला विकास अधिकारी रामसमुझ, जिला बचत अधिकारी राम प्रसाद सहित अन्य मास्टर ट्रेनर एवं प्रशिक्षण के लिए नामित अधिकारी मौजूद रहे।

एसपी ने क्षेत्र का भ्रमण कर देखी सुरक्षा व्यवस्था

संवाददाता–श्रावस्ती। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के मद्देनजर पुलिस महकमा अलर्ट है। चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने व कानून व्यवस्था दुरुस्त रखने को अधिकारी जिले का भ्रमण कर रहे हैं। एसपी ने अलग अलग थाना क्षेत्रों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने शनिवार को इकौना व नवीन मॉडर्न थाना श्रावस्ती क्षेत्र का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने बैरियर व चेकपोस्टों पर ड्यूटीरत कर्मचारियों से कुशल क्षेम जाना तथा सतर्क रहने का निर्देश दिया। इसके साथ ही एसपी ने चुनाव के दौरान पुलिस बल के ठहरने के लिए चिन्हित स्थल इकौना क्षेत्र के सत्या द आर्यन स्कूल इकौना व थाना श्रावस्ती स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान का भ्रमण किया।

यहां उन्होंने विद्यालय में मूलभूत सुविधाओं जैसे लाइट, पानी, शौचालय आदि की जानकारी ली और दोनों थाने के थाना प्रभारियों को सभी व्यवस्थाएं चुनाव से पहले ही दुरुस्त करा लेने को निर्देशित किया। पुलिस अधीक्षक ने कस्बा इकौना स्थित मतदान केन्द्र मदारा का निरीक्षण कर व्यवस्था देखी। इसके साथ ही एसपी ने श्रावस्ती बलरामपुर जनपदीय सीमा लालबोझी, बलुवा घाट, बिकवा घाट, गोपालपुर पर पहुंच कर बैरियर व चेकपोस्ट का निरीक्षण किया और संबंधित को जरूरी निर्देश दिए।

अज्ञात वाहन की ठोकर से बाइक सवार युवक की मौत

संवाददाता–देवरिया। बरहज थाना क्षेत्र के ग्राम कपरवार स्थित प्राथमिक विद्यालय के निकट शनिवार को तड़के तीन बजे अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। घटना में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। युवक बरात से लौट घर लौट रहा था।

मदनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम भदिला दोयम निवासी पिंटू कुमार 23 पुत्र हरेराम प्रसाद गांव से गई बारात में बरहज के पतिला गया हुआ था। सुबह तीन बजे वह बारात से लौट रहा था। अभी प्राथमिक विद्यालय के निकट पहुंचा ही था कि सामने से आ रहे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दिया। पिंटू बाइक से दूर जा गिरा। उसके सिर व सीने में गंभीर चोट आई। पुलिस घायल को इलाज के लिए सीएचसी बरहज ले गई, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने परिजनों को सूचना दी और शव को अन्य परीक्षण के लिए भेज दिया। मौत की सूचना घर पहुंचते ही परिजनों की चीत्कार से माहौल गमगीन हो गया।

गैंगस्टर के आरोपित की 16.80 लाख की संपति कुर्क

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। भवानीगंज पुलिस ने शनिवार को गैंगेस्टर एक्ट के एक आरोपित की 16.80 लाख कीमत की 0.0160 हेक्टेयर संपत्ति कुर्क की है। आरोपित डुमरियागंज क्षेत्र के रमवापुर उर्फ नेबुआ गांव निवासी श्यामजी वर्मा पुत्र रामसूरत वर्मा पर डुमरियागंज थाने पर धारा 3(1) गैंगस्टर एक्ट के तहत केस दर्ज था।

आरोप है कि श्यामजी वर्मा समाजविरोधी क्रिया कलापों में संलिप्त रहते हुए गैंग के आर्थिक, भौतिक, दुनियाबी व अन्य लाभ के लिए महर्षि दयानंद एजुकेशनल ग्रुप नाम से कोचिंग सेंटर व फ्रेंचाइजी क्षेत्र में अनधिकृत रूप से इंस्टीट्यूट खोलकर कूटरचित अभिलेखों के आधार पर कम्प्यूटर डिग्री तैयार कर धन अर्जित करता था। इसी धन से रमवापुर गांव में अपने व अपने भाई चन्द्रभान वर्मा के नाम से आराजी नंबर 139 रकबा 0.0160 हेक्टेयर भूमि खरीदी थी। इसकी बाजारु कीमत 16.80 लाख है को जिला मजिस्ट्रेट के आदेश के अनुपालन में धारा 14(1) उप्र गिरोह बंद एवं समाज विरोधी क्रिया कलाप निवारण अधिनियम 1986 के तहत कुर्की की कार्रवाई की गई। इस अवसर पर तहसीलदार डॉ. संतराज सिंह, निरीक्षक रमेश कुमार यादव थाना डुमरियागंज, थानाध्यक्ष भवानीगंज एसआई रामदेव, एसआई अजयनाथ कन्नौजिया, राजस्व निरीक्षक रामनरेश, हल्का लेखपाल अनिल कुमार मिश्र, कांस्टेबल हेमंत यादव, अखिलेश गुप्त व मधु वर्मा मौजूद रहीं।

सूख रही आमी नदी को है भगीरथ की तलाश

संवाददाता–गोरखपुर। भगवान बुद्ध ने जिस पवित्र नदी के किनारे अपने वस्त्र त्यागे थे, संत कबीर ने जिसके किनारे तपस्या की थी, वह आमी नदी आज प्रदूषित ही नहीं सूखने भी लगी है। नदी में जो पानी प्रवाहित हो रहा है, उसका एक बड़ा हिस्सा खलीलाबाद नगर पालिका और मगहर नगर पंचायत के अलावा विभिन्न फैक्टरियों से निकला गंदा पानी है। स्थिति यह है कि बरसात में जिस नदी के चलते गोरखपुर जिले में बाढ़ आती है, गर्मी में उसी नदी में पानी नहीं दिख रहा। नदी में प्रवाहित जल के शोधन के अलावा इसे अविरल बनाए रखने के लिए भी नए जल स्रोत तलाशने की जरूरत है। आमी नदी पर कई शोध कर चुके प्रो. गोविंद पांडेय बताते हैं कि आमी का मतलब है जिसका पानी आम जैसा मीठा हो। बौद्धकाल में इसका उल्लेख अनोमा नदी के तौर पर किया गया। यह राप्ती की सहायक नदी है। सिद्धार्थनगर के सिकहरा ताल से निकलकर संतकबीरनगर के जिला मुख्यालय खलीलाबाद, मगहर होते हुए गोरखपुर के सहजनवां तहसील से होते हुए सोहगौरा गांव के सामने फिर राप्ती में ही मिल जाती है।

करीब 100 किलोमीटर इस लंबी यात्रा में नदी के किनारे लगभग 200 गांव स्थित हैं। बौद्धकालीन साहित्यों में इस बात का उल्लेख है कि राजा शुद्धोधन के पुत्र सिद्धार्थ (गौतम बुद्ध) ने दुख के कारणों की खोज में जब अपने राजमहल को छोड़ा तो कोपिया नामक जगह पर अनोमा नदी (वर्तमान आमी नदी) के किनारे पहुंचे। नदी में स्नान कर राजसी वस्त्र त्याग दिया और संन्यासी का रूप धारण कर पैदल चल दिए। संतकबीर भी जब वाराणसी छोड़कर मगहर आए तो आमी नदी प्रवाहमान थी और इसी के किनारे उन्होंने अपनी तपोस्थली बनाई। पुराने समय में इस नदी में मछली पालन बड़े पैमाने पर होता रहा है। इसलिए नदी के आसपास के गांवों में मछुआ समुदाय के लोगों की संख्या भी अधिक है, लेकिन अब यह नदी सूखने लगी है। वर्तमान में नदी में इतना भी पानी नहीं है कि उसमें पड़े प्लास्टिक व अन्य कचरा भी बहकर आगे बढ़ सके। मगहर कबीर चौरा के सामने नदी में पानी बहुत कम बचा है। खलीलाबाद से मगहर के बीच एक पतली रेखा इस नदी के पानी की गुणवत्ता पर शोध कर चुके प्रमोद कुमार विश्वकर्मा बताते हैं कि नदी में प्रवाहित दूषित पानी के चलते इसका पारिस्थितिकी तंत्र तो बिगड़ा ही, आसपास के गांवों का भूगर्भ जल भी दूषित हो गया। प्रो. गोविंद पांडेय बताते हैं कि सिकहरा ताल से बालूशासन तक नदी का पानी गुणवत्ता ए श्रेणी के आसपास रहती है, लेकिन मगहर तक आते–आते डी श्रेणी और उससे नीचे जाने पर ई श्रेणी से भी निचले स्तर पर चली जाती है। ए श्रेणी का पानी शोधन के बाद पीने लायक होता है, जबकि ई श्रेणी का पानी जलीय जंतुओं के लिए भी उपयुक्त नहीं होता।

इस नदी की पवित्रता और अविरलता के लिए लंबे समय तक आंदोलन की अगुवाई करने वाले विश्वविजय सिंह बताते हैं कि वर्ष 2018–19 में एनजीटी की तरफ से डीपी सिंह ने नदी क्षेत्र का निरीक्षण किया था। उन्होंने नदी के हालात पर चिंता जताते हुए इसमें पूरे साल पानी के प्रवाह को बनाए रखने के लिए नमामि गंगे योजना में शामिल करने समेत कुछ विशेष प्रयास करने की सलाह दी थी। इसमें सबसे पहला सुझाव यही था कि नदी के किनारे बड़े पौधे लगाए जाएं। इसके अलावा कैचमेंट एरिया में तालाब, कुओं और अन्य जलस्रोत को जीवित रखने का प्रयास किया जाए। साथ ही जहां कहीं से भी नदी में अपशिष्ट डाला जा रहा हो, उसकी जांच कर तत्काल रोक लगाई जाए। शहरी और फैक्टरियों के प्रदूषित पानी को शोधन के बाद भी नदी में न डाला जाए। शोधन के बाद पानी का प्रयोग सिंचाई समेत अन्य कार्यों में लिया जाए, लेकिन इस पर जमीनी स्तर पर कोई कार्य नहीं हुआ। खलीलाबाद, मगहर और गीडा क्षेत्र में आमी नदी अब बरसाती नाला बन चुकी है। नदी में प्रवाहित पानी से अधिक नालों और फैक्टरियों का कचरा दिखता है। बरसात के दिनों में नदी का गंदा पानी फैलने से किसानों की हजारों एकड़ फसल नष्ट होती है। अगर यही हाल रहा तो वह दिन दूर नहीं जब इस नदी का प्रवाह स्वयं ही समाप्त हो जाएगा। इसलिए अगर नदी को जीवित रखना है तो इसके लिए जलस्रोत भी तलाशने होंगे।

अवैध असलहा फैक्ट्री का भंडाफोड़, 11 तमंचे बरामद

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। त्रिलोकपुर पुलिस, एसओजी व सर्विलांस टीम ने क्षेत्र के बहादुर गांव के एक आम के बाग में फूस की मड़ई में चल रही अवैध असलहा फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। टीम ने मौके से 11 तमंचा व भारी संख्या में तमंचा बनाने का उपकरण बरामद किया है। साथ ही एक शातिर को गिरफ्तार कर लिया है। एसपी प्राची सिंह ने शनिवार को पुलिस लाइंस सभागार में घटना का खुलासा करते हुए बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के बहादुर गांव के सिवान में आम के बाग में एक मड़ई डाल कर अवैध असलहा बनाने का काम हो रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए त्रिलोकपुर पुलिस, एसओजी व सर्विलांस टीम ने संयुक्त रूप से छापेमारी की। पुलिस को देख कर आरोपी भागने लगा जिसे पुलिस ने दौड़ा कर पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम सलीम पुत्र वसीम निवासी जबजौवा थाना डुमरियागंज बताया। पुलिस ने मौके पर 12 व 15 बोर का पांच निर्मित तमंचा के अलावा आधा दर्जन अर्धनिर्मित असलहा, असलहा बनाने का सामान बरामद किया। पुलिस ने आरोपी को धारा 3/5/25/26 आर्म्स एक्ट में चालान कर दिया है। पुलिस की ओर से अवैध असलहा बनाने के आरोप में पकड़े गए सलीम ने पूछताछ में बताया कि डुमरियागंज थाना की पुलिस उसकी निगरानी करती है। इसलिए वह चोरी छिपे त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र में रहकर असलहा बनाने का काम करता था। वह असलहों को बनाकर नेपाल सीमा पर पांच से 10 हजार रुपये में बेचता है। अवैध असलहा चलाते हुए पकड़े गए आरोपी सलीम के खिलाफ जिले के विभिन्न थानों में 10अपराधिक मामले दर्ज हैं। दर्ज मामलों में मारपीट, चोरी, आर्म्स एक्ट, गैंगेस्टर एक्ट, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम 1980 की धारा 3(2) के तहत केस दर्ज है।

रेलवे ट्रैक के पास नग्न अवस्था में मिला अज्ञात महिला का शव

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के खलीलाबाद कोतवाली थाना क्षेत्र के चुरेब रेलवे स्टेशन के समीप रेलवे ट्रैक के किनारे नग्न अवस्था में एक महिला का शव मिलने से आस पास के क्षेत्र में सनसनी फैल गई। महिला के शरीर पर काफी चोट का निशान दिखा। उसकी पहचान नहीं हो पाई। लोग आशंका व्यक्त कर रहे हैं कि महिला के साथ पहले जोर जबरदस्ती की गई उसके बाद उसकी हत्या कर शव को ठिकाने लगा दिया गया। क्षेत्र के कुछ ग्रामीण शनिवार की सुबह रेलवे ट्रैक के पास शौच के लिए गए थे। तभी एक महिला का शव अर्धनग्न अवस्था में पड़ा हुआ दिखा। जिस पर किसी व्यक्ति ने शव पड़ा होने की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर मौके पर नजदीकी पुलिस चौकी से सिपाही व रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची। लोग मृत महिला की शिनाख्त के प्रयास में लग गए। आसपास के लोगों से पूछताछ की। पर कोई भी व्यक्ति उसकी पहचान नहीं कर पाया। उसके शरीर पर कोई वस्त्र नहीं था। सर भी शरीर से अलग था। शरीर पर कई जगह पर चोट के निशान दिखाई दे रहे थे। काफी समय बीत जाने के बाद शिनाख्त न होने पर शव को मर्चरी हाउस भेज दिया गया। मृत महिला कौन है और कहां की है इसकी जानकारी अभी पुलिस को नहीं मिली है। महिला के शरीर पर और चेहरे पर गंभीर चोटों के निशान भी दिख रहे हैं। जिससे महिला की पहचान के लिए पुलिस को समस्या आ रही है।

एईएस मरीज मेडिकल कालेज रेफर

संवाददाता–गोरखपुर। इंसेफेलाइटिस के संदिग्ध मरीज को शनिवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र से मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। बरगदही निवासी पांच वर्षीय सचिन को बुखार के साथ झटका आ रहा था। परिजन उसे लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचे। उसे ईटीसी वार्ड में भर्ती किया गया। नर्स निर्मला मौजूद रहीं। इलाज से मरीज की सेहत में सुधार नहीं हुआ। इसके बाद इलाज कर रहे डॉक्टर ने मरीज को तत्काल एम्बुलेंस से मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. ईश्वरलाल ने बताया कि एईएस में एक साथ कई प्रकार की बीमारियां होती हैं। मरीज को जांच व उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा गया है।

हत्या के प्रयास का आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज थाना की पुलिस ने हत्या के प्रयास के एक आरोपी को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया है। वह फरार चल रहा था। पुलिस आरोपी की तलाश में थी। गिरफ्तार करने वाले एसआई नंदा प्रसाद ने बताया कि आरोपी इरशाद अहमद उर्फ शमीम उर्फ शमा पुत्र अमीरुल्लाह निवासी भारतभारी थाना डुमरियागंज के खिलाफ धारा 307,323, 504,506 के तहत केस दर्ज था। वह फरार चल रहा था। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

जंगल से गांव में पहुंचा हिरन, ग्रामीणों ने सुरक्षित पुलिस को सौंपा

संवाददाता–संतकबीरनगर। धर्मसिंहवा थाना क्षेत्र के बौरव्यास चौकी के बनगावा गांव में शनिवार को दोपहर रास्ता भूलकर एक हिरन गांव में आ गया। ग्रामीणों ने सुरक्षित पकड़कर पुलिस को सौंपा। एक गांव के राम अवध, हरीश, अजय कुमार, रामसरन, जोखन जायसवाल, विरेंद्र चौरसिया, राम भजन, बलिराम, भोला आदि लोगों ने बताया कि शनिवार को दोपहर कुछ कुत्ते एक हिरन को दौड़ा रहे थे। ग्रामीणों ने कुत्तों को भगाकर हिरन को पकड़कर एक पेड़ में बांध दिया। इसकी सूचना बौरब्यास चौकी प्रभारी को दी। चौकी से मौके पर पहुंचे हेड कांस्टेबल कयूमुद्दीन अंसारी ने बताया कि वन अधिकारियों को सूचना दे दी गई है। हिरन सुरक्षित है।

नालों की सफाई में लापरवाही बर्दाश्त नहीं –नगर आयुक्त

संवाददाता–गोरखपुर। बरसात के सीजन में महानगर में जलभराव न हो, महानगर के समस्त बड़े, मझोले एवं छोटे नालों की सफाई रोस्टर बना विशेष अभियान चला की जा रही है। नाला सफाई का जाएजा लेने नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल शनिवार की सुबह सात बजे साइकिल से डोमिनगढ़ नाला की सफाई कार्य का औचक निरीक्षण किया। जोनल अधिकारी सुरेन्द्र सिंह एवं जोनल सेनेटरी अधिकारी अखिलेश श्रीवास्तव को निर्देशित किया कि नाले का तल्लीझाड़ सफाई कराएं। नाले में कलवर्ट की सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। नाला सफाई से निकले सिल्ट और कचरे को तत्काल मौके से हटाएं। चेताया कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नगर आयुक्त ने मौके से ही सभी सभी जोनल अधिकारी, नगर स्वास्थ्य अधिकारी, जेडएसओ, सफाई निरीक्षक एवं कार्यवाहक सफाई निरीक्षको को निर्देशित किया कि सभी नालों के प्रथम चक्र की सफाई 15 मई पूरा कराएं।

वरमाला के समय दूल्हे की बदल गई चाल, गुस्से में दुल्हन ने तोड़ी शादी

संवाददाता–संतकबीरनगर। शुक्रवार को एक दुल्हन ने दूल्हे की हरकते देख शादी से इनकार कर दिया। इसे लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया। जब मामला नहीं सुलझा तो पुलिस बुलानी पड़ी। जिसके बाद बातचीत कर मामले को शांत कराया गया। उधर, दूल्हे और बारातियों को बैगर दुल्हन के ही वापस लौटना पड़ा। मामला धनघटा थाना क्षेत्र के भोतहा गांव का है। एक शख्स ने अपनी बेटी की शादी आजमगढ़ जिले के अतरौलिया के रहने वाले शिवम के बेटे मोहित के साथ तय की थी। शुक्रवार को धूमधाम के साथ बारात आई। वधू पक्ष के लोग ने दूल्हे और बारातियों का जमकर स्वागत किया। जलपान के बाद द्वारपूजा के लिए दूल्हा और रिश्तेदार लड़की पक्ष के दरवाजे पर पहुंची। द्वारपूजा की रस्म शुरू हुई तो शराबियों की तरह दूल्हे लड़खड़ाने लगा। यह देख वधू पक्ष नाराज हो गए। दोनों पक्षों में तू–तू मैं–मैं शुरू हो गई। बात आगे बढ़ी तो दुल्हन और दुल्हन के पिता ने शादी से करने से इनकार कर दिया। वहीं, किसी ने विवाद की सूचन पुलिस को दे दी। मौके पर पहुँचे पुलिस चौकी प्रभारी रजनीश राय ने दोनों पक्षों को समझा–बुझा कर मामला शांत कराने की कोशिश की। अंत में वधू पक्ष का खर्च देने के बाद ही मामला शांत हुआ। उधर, दूल्हे और बारातियों को बैरंग ही वापस आजमगढ़ लौटना पड़ा।

बूथ पर सभी बुनियादी सुविधाएं सुदृढ़ हों –बीएसए

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह के निर्देश पर माह अप्रैल की मासिक समीक्षा बैठक शनिवार को ब्लॉक सभागार में खंड शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार की अध्यक्षता में हुई। बीएसए ने सभी प्रधानाध्यापकों को निर्देश दिए कि बूथों पर सभी बुनियादी सुविधां जल्द दुरुस्त की जाएं। इस बैठक में ब्लॉक के सभी प्राथमिक, उच्च प्राथमिक एवं संविलयन विद्यालय के प्रधानाध्यापक मौजूद रहे। खंड शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार सिंह ने लोक सभा चुनाव 2024 के लिए बूथ बने स्कूल में आधारभूत सुविधाओं, नामांकन में वृद्धि, सामुदायिक सहभागिता, गुणवत्तायुकत शिक्षा, निर्माण कार्य, प्री प्राइमरी, समेकित शिक्षा, इएमआईएस, वित्त एवं लेखा संबंधी, एमडीएम उपभोग, खाद्यान्न, डीसीएफ आदि की गहन समीक्षा की। बीएसए ने चुनाव पूर्व तैयारी के संबंध में निर्देश दिए गए कि स्कूल में पानी, विद्युत, शौचालय, रैंप, कुर्सी मेज, दरवाजा, खिड़की, बूथों पर पेंटिंग कार्य आदि जल्द दुरुस्त करा लें। विभागीय सूचनाओं को प्रेरणा पोर्टल पर समय से इंट्री अवश्य करें। विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने के लिए सेवित बस्ती में डोर टू डोर अभिभावक छात्र से संपर्क करें। इस दौरान साथ में मतदाताओं को मतदान के लिए जगरूक करें। गर्मी से बचाव हेतु बच्चों को सावधानी बरतने हेतु सचेत करें। विद्यालय में भेजे गए कंपोजिट ग्रांट का उपभोग कर पंजिका अपडेट रखें।

बैठक में नोडल संकुल शिक्षक जफीर अली, मो आजम, अब्दुर्रहीम, मो शोएब अख्तर, विनोद यादव, बैरागी, अब्दुल कलाम, आशीष शुक्ला, इरफान खान, खुर्शीद अहमद, राम निहोर, धर्मराज, शैलेंद्र वरुण, भरत कुमार,मुख्तार आलम सिद्दीकी, राजिया खातून, उर्मिला सिंह, माया जायसवाल, अश्विनी कुमार चौधरी, कमाल अहमद, मनोज कुमार अनिल, फूलचंद, शिवचरण गुप्ता, अजीत सिंह, अब्दुर्रहमान आदि मौजूद रहे।

बारात में आया गुमशुदा बालक बरामद

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। बारात में आया एक बालक गुमशुदा हो गया था। पुलिस ने उसे शनिवार को बरामद कर बारातियों को सौंप दिया। खुनुवा चौकी इंचार्ज जगत नारायन यादव ने बताया कि दुर्गेश पुत्र चंद्रीका निवासी मिश्रौलिया थाना पचपेड़वा जनपद बलरामपुर 26 अप्रैल को नेपाल बारात जाते समय शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के खुनुवा चौकी के बगहवा में गाड़ी से उतरने के बाद छूट गया था। उसकी गुमशुदगी की बारातियों ने पुलिस को खबर दी तो वह तलाश में जुट गई। शनिवार को बालक को बरामद कर बारात मालिक राजेंद्र प्रसाद पुत्र नन्हू को सौंप दिया गया।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त प्रशासन बस्ती मण्डल बस्ती जिला–बस्ती

निगरानी सं0– C 202017000000249

सत्यराम आदि
बनाम
दौलतराम आदि
ग्राम मधवापुर तप्पा उमरा

1. दौलतराम 2. बालकराम 3. सालिकराम पुत्रगण द्वारिका साकिनान कडही तप्पा उमरा परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती –विपक्षी प्रथम वर्ग
4. दिनेश कुमार पुत्र पुरूषोत्तम 5. सन्तराम पुत्रगण रामगनेश 6. रामलाल पुत्र सर्वजीत साकिनान कडही तप्पा उमरा परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती –विपक्षीगण द्वितीय वर्ग
7. सरकार उ0प्र0 जरिये कलेक्टर बस्ती

तारीख पेशी 20–05–2024

अपील बनराजी दौलतराम बनाम दिनेश कुमार मधवापुर तप्पा उमरा अदालत अपर जिलाधिकारी मुकाम बस्ती

मयरिखा 22 महीना 02 सन् 2020 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 20 महीना 05 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 27 माह 04 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त प्रशासन बस्ती मण्डल बस्ती जिला–बस्ती

निगरानी सं0– C 202017000000249

सत्यराम आदि
बनाम
दिनेश कुमार आदि
ग्राम मधवापुर तप्पा उमरा

1. दिनेश कुमार पुत्र पुरूषोत्तम साकिन कडही तप्पा उमरा परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती –विपक्षी प्रथम वर्ग
2. रामचन्द्र 3. फूलचन्द्र पुत्रगण अदालत 4. प्रेमचन्द्र 5. हरिश्चन्द्र पुत्रगण रामदेव 6. सन्तराम पुत्रगण रामगनेश 7. दौलतराम 8. बालकराम 9. सालिकराम पुत्रगण द्वारिका 10. रामसुरेमन पुत्र रामअचल 11. रामलाल पुत्र सर्वजीत 12. चन्द्रभान पुत्र रामदेव साकिनान कडही तप्पा उमरा परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती –विपक्षीगण द्वितीय वर्ग
13. सरकार उ0प्र0 जरिये कलेक्टर बस्ती –विपक्षी तृतीय वर्ग

तारीख पेशी 20–05–2024

अपील बनराजी अदालत अपर जिलाधिकारी मुकाम बस्ती

मयरिखा 22 महीना 02 सन् 2020 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 20 महीना 05 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 27 माह 04 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी भानपुर बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–

धारा 207 रा0सं0 2006

श्रीमती फूलमती
बनाम
रामशब्द आदि

साकिन बसडलिया तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती

1. रामशब्द पुत्र बहरैची 2. रामसेवक पुत्र बहरैची साकिनान मौजा छपिया खास तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 02–05–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 02 महीना 05 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 18 माह 04 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

अदालत– श्रीमान आयुक्त बस्ती मण्डल बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0– C 20171700676

अख्तर अली
बनाम
अकरम आदि

1. अकरम 2. हमीद पुत्रगण 5. श्रीमती आशमा खातून पत्नी निसार अहमद पुत्री शोहराब 6. बेचई पुत्र बुझारत 7. मुर्तजा हुसैन 8. मुस्तफा हुसैन पुत्रगण शौकत 9. मो0 अहमद शाह 10. अब्दुर कादिर 11. सईदुल्लाह पुत्रगण गोगलशाह 12. श्रीमती कमरून्निशां पत्नी गोगलशाह 13. अब्दुल सलाम 14. हारून शाह पुत्रगण अब्दुल्लाह 15. अशरफिया खातून पत्नी अब्दुल्लाह 16. मुन्शीदार 17. अब्दुलगनी 18. मो0 रऊफ पुत्रगण हसन निवासीगण ग्राम दरूआजप्ती माफी तप्पा दक्खिन हवेली परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जिला–संतकबीरनगर

तारीख पेशी 08–05–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 08 महीना 05 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 27 माह 04 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त (प्रशासन) बस्ती मण्डल बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0– C 201817000001061

सहदेव आदि
बनाम
गिरजाराम आदि

1. गिरजाराम पुत्र रामटहल 2. सुभाष पुत्र रामकिशन साकिनान मौजा चनगहवा तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 3. भू0प्र0स0 सोनहटी तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती द्वारा प्रधान / अध्यक्ष

तारीख पेशी 14–05–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 14 महीना 05 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 27 माह 04 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त (प्रशासन) बस्ती मण्डल बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0– C 201917000000433

निजाम
बनाम
रामफेर आदि

1. रामफेर पुत्र नान्हू 2. बंशगोपाल दूबे पुत्र ब्रहमानन्द दूबे 3. जगरनाथ पुत्र रामानन्द 4. श्रीमती कलावती देवी पत्नी बैजनाथ 5. सरस्वती पत्नी डब्लू प्रसाद 6. श्रीराम पुत्र रामछबीले 7. गणेशदत्त पुत्र कृष्णदत्त 8. कन्हैया लाल पुत्र गजाधर 9. रामनरायनदत्त पुत्र कृष्णदत्त 10. श्रीमती मजीदुन्निशा पत्नी मोहम्मद साकिन मौजा सेखुईताज तप्पा सेहरी परगना रसूलपुर तहसील डुमरियागंज जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 21–05–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 21 महीना 05 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 27 माह 04 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त (प्रशासन) बस्ती मण्डल बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0– C 202017000000607

लोधई
बनाम
जग प्रसाद आदि

1. जग प्रसाद पुत्र राम पियारे साकिन लबदहिया तप्पा खुरियार परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 2. ग्राम पंचायत/भू0प्र0स0 लबदहिया तप्पा खुरियार परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती द्वारा प्रधान /अध्यक्ष

तारीख पेशी 10–05–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 10 महीना 05 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 27 माह 04 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक
भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com